• जयपुर, मंगलवार 1 सितंबर 26 • वर्ष 15 • अंक 302 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2024-25
राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI. No. RAJHIN/2011/40950
सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

“सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।”
• स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझुनं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूंदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

भारत-ब्राजील व्यापार संबंधों को नई गति, 2030 तक 30 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य

व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक में फार्मास्यूटिकल्स, कृषि, रसायन और इंजीनियरिंग क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत और ब्राजील ने अपने व्यापार एवं आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी तंत्र की 8वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक की सह-अध्यक्षता भारत के वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल और ब्राजील की विदेश व्यापार सचिव तातियाना लैसर्दा प्राजेरेस ने की।

बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के नेतृत्व में दोनों देशों के संबंधों को मिली राजनीतिक गति को आगे बढ़ाने पर चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने भारत-ब्राजील रणनीतिक साझेदारी के संस्थागत ढांचे को मजबूत करने के साथ रणनीतिक और आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देने की आवश्यकता पर

द्विपक्षीय व्यापार में लगातार वृद्धि

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ब्राजील के विकास, उद्योग, वाणिज्य और सेवा मंत्री मार्सियो एलियास रोजा से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने तथा प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच व्यापार 15.07 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया। दोनों देशों ने व्यापार को अधिक विविध, संतुलित और टिकाऊ बनाने तथा विशेष रूप से दवा, रसायन, इंजीनियरिंग सामान और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर 2030 तक व्यापार को 30 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा।

• भारतीय दवाओं के लिए बाजार पहुंच बढ़ाने पर सहमति

भारतीय दवा उत्पादों के लिए ब्राजील के बाजार में पहुंच आसान बनाने के मुद्दे पर भी महत्वपूर्ण चर्चा हुई। फरवरी 2026 में भारत के केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और ब्राजील की राष्ट्रीय स्वास्थ्य निगरानी एजेंसी के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन को स्वास्थ्य एवं दवा क्षेत्र में सहयोग का महत्वपूर्ण आधार बताया गया। भारत ने दवा क्षेत्र में अधिक पूर्वानुमानित नियामक प्रक्रियाओं और व्यापक बाजार पहुंच की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों पक्षों के बीच सहयोग बढने् से ब्राजील में किफायती और गुणवत्तापूर्ण भारतीय दवाओं की उपलब्धता बढने् तथा सुलभ

• भारत-मर्कोसुर व्यापार समझौते के आधुनिकीकरण पर जोर

बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते के संदर्भ शर्तों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने इस समझौते के विस्तार और आधुनिकीकरण की व्यापक संभावनाओं पर चर्चा की। वर्ष 2025 में भारत और मर्कोसुर के बीच द्विपक्षीय व्यापार 20.84 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया था। दोनों पक्षों ने संदर्भ शर्तों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की प्रतिबद्धता जताई, जिससे व्यापारिक संबंधों के विस्तार का रास्ता और सुगम हो सकेगा।

• 25 से अधिक भारतीय कंपनियों ने लिया हिस्सा

ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील उच्च स्तरीय व्यापारिक स्वागत समारोह का भी आयोजन किया गया। इसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यापारिक प्रतिनिधियों और उद्योग जगत से जुड़े हितधारकों ने भाग लिया। वाणिज्य सचिव ने 25 से अधिक भारतीय कंपनियों वाले व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। प्रतिनिधिमंडल में किर्लोस्कर समूह, यूपीएल और आदित्य बिड़ला समूह सहित प्रमुख भारतीय कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल थे। समारोह में महत्वपूर्ण खनिज, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि व्यवसाय, अवसंरचना, फार्मास्यूटिकल्स, डिजिटल सेवाएं, लॉजिस्टिक्स और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग के नए अवसर तलाशे गए।

• नई दिल्ली में एपेक्सब्राजील कार्यालय की स्थापना का स्वागत

दोनों देशों ने नई दिल्ली में एपेक्सब्राजील कार्यालय की स्थापना का भी स्वागत किया। माना जा रहा है कि यह पहल भारत और ब्राजील के बीच व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के साथ भारत में ब्राजील के निवेश को बढ़ावा देने में सहायक होगी।

भारत और ब्राजील के संबंध लंबे समय से आपसी विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और बढ़ते आर्थिक सहयोग पर आधारित रहे हैं। व्यापार निगरानी तंत्र की बैठक और उच्च स्तरीय व्यापारिक कार्यक्रम से दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई गति मिली है तथा भविष्य के लिए मजबूत और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी बनाने

न्यूज़ अपडेट

हापुड़ में भीषण हादसा: गंगा एक्सप्रेसवे पर थार पलटने से चार युवकों की मौत

हापुड़/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में भीषण सड×क हादसा हो गया। गंगा एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार थार अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे चार युवकों की मौत हो गई। वहीं, एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घायल को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार हादसा रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि थाना सिंभावली क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेस-वे पर हुआ। बदायूं से दिल्ली की तरफ जा रही तेज रफ्तार थार अचानक पलट गई। थार में पांच लोग सवार थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पांचों घायल युवकों को सिखेड़ा सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टर ने चार युवकों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान बदायूं निवासी जोगिंदर, सुखबीर, जसवंत और रवि के रूप में हुई है। वहीं, 17 वर्षीय किशोर का इलाज चल रहा है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया है। पुलिस ने दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई गाड़ी को गंगा एक्सप्रेस-वे से हटाकर यातायात बहाल

साइबर-फिजिकल सिस्टम बना रहे तकनीक आधारित भविष्य की नींव

नई दिल्ली/एजेंसी। डिजिटल और भौतिक दुनिया के बीच तालमेल स्थापित करने वाली साइबर-फिजिकल सिस्टम (सीपीएस) तकनीक भारत के तकनीकी भविष्य को नई दिशा दे रही है। सेंसर, सॉफ्टवेयर और संचार नेटवर्क के माध्यम से सीपीएस मशीनों को अपने आसपास के वातावरण को समझने, सूचनाओं का विश्लेषण करने और परिस्थितियों के अनुसार तुरंत प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाता है। चालक रहित वाहन, स्मार्ट कारखाने, आधुनिक चिकित्सा उपकरण, स्मार्ट भवन और रोबोटिक उपकरण इसके प्रमुख उदाहरण हैं।

भारत 'इंटरडिसिप्लिनरी साइबर-फिजिकल सिस्टम्स पर राष्ट्रीय मिशन' (एनएम-आईसीपीएस) के माध्यम से इस क्षेत्र में स्वदेशी क्षमताओं का मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर रहा है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा लागू इस मिशन को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2018 में मंजूरी दी थी। इसके लिए नौ वर्षों में 3,660 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है।

नेपाल में भीषण बाढ़ का कहर, भारत की ओर बढ़ा बाढ़ का खतरा, बिहार में हाई अलर्ट

नयी दिल्ली/एजेंसी

नेपाल और तिब्बत में आई भीषण बाढ़ के बाद अब भारत के सीमावर्ती इलाकों में भी खतरा बढ़ गया है। भारी बारिश और नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए बिहार के कई जिलों में प्रशासन को अलर्ट कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि सुरक्षा के मद्देनजर बैराज के 56 गेट खोले गए हैं। नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही हुई है। राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। अधिकारियों के अनुसार, आपदा में अब तक 900 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि हजारों लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं। कई इलाकों का संपर्क पूरी तरह टूट गया है और बचाव दल प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं।

बिहार में बढ़ा बाढ़ का खतरा

नेपाल में भारी बारिश और ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों से आ रहे पानी के कारण गंडक और कोसी नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसके मद्देनजर बिहार के पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, सारण और गोपालगंज जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। प्रशासन नदियों के जलस्तर और तटबंधों की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने और जरूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है।

DNA जांच में मदद करेगी भारतीय फोरेंसिक टीम

नेपाल में बाढ़ के कारण मारे गए लोगों की पहचान में मदद के लिए भारत ने 19 सदस्यीय विशेष फोरेंसिक टीम भेजी है। यह टीम उ्रअ नमूनों के विश्लेषण के जरिए मृतकों की पहचान करने में नेपाली अधिकारियों की मदद कर रही है। भारतीय राजदूत ने फोरेंसिक टीम के सदस्यों से मुलाकात कर राहत एवं बचाव कार्यों में भारत के निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया है।

सुरंगों में फंसे हाइड्रोपावर कर्मचारियों की तलाश

बाढ़ के कारण नेपाल की कई जलविद्युत परियोजनाओं की सुरंगों में पानी और मलबा भर गया है। रिपोर्टों के मुताबिक, 933 हाइड्रोपावर परियोजना कर्मचारियों के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। भारतीय टनल रेस्क्यू टीम ने नेपाली सेना के साथ मिलकर चिलिमे और लांगटांग क्षेत्रों में सुरंगों पर खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया है। अभियान में आधुनिक उपकरणों की मदद ली जा रही है।

भोटेकोशी नदी को लेकर भी अलर्ट

नेपाल की भोटेकोशी नदी में जलस्तर बढ़ने से एक बार फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने को कहा है। प्रभावित इलाकों में लोगों के मोबाइल फोन पर बाढ़ की चेतावनी भी भेजी गई है। आशंका जताई जा रही है कि यदि भोटेकोशी नदी का पानी आगे बढ़कर गंडक और कोसी जैसी प्रमुख नदियों के जलप्रवाह को प्रभावित करता है, तो बिहार के सीमावर्ती इलाकों में स्थिति गंभीर हो सकती है।

1,338 पंच सम्मेलनों से गांवों में विकसित भारत-जी राम जी

• 5.26 लाख से अधिक पंचायती राज प्रतिनिधियों और कार्मिकों ने लिया हिस्सा, 23 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने पूरे किए निर्धारित सम्मेलन

नई दिल्ली/एजेंसी।

विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के प्रभावी क्रियान्वयन और पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों एवं कार्मिकों के व्यापक अभिमुखीकरण के लिए देशभर में आयोजित जिला स्तरीय पंच सम्मेलन अभियान को उल्लेखनीय सफलता मिली है। अब तक देशभर में 1,338 पंच सम्मेलन आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें पंचायती राज संस्थाओं के 5.26 लाख से अधिक प्रतिनिधियों, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों-कर्मचारियों ने भाग लिया।

ग्रामीण विकास मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पंचायती राज संस्थाओं के तीनों स्तरों से जुड़े जनप्रतिनिधियों एवं पदाधिकारियों को अधिनियम के प्रावधानों, उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के लिए पंच सम्मेलन आयोजित करने का अनुरोध किया था। इन सम्मेलनों में मिली व्यापक भागीदारी से अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सक्रियता तथा प्रतिबद्धता सामने आई है।

» 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पूरे किए सम्मेलन

अब तक 23 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों ने अपने निर्धारित पंच सम्मेलन पूरे कर लिए हैं। इनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव, जम्मू-कश्मीर तथा पुडुचेरी शामिल हैं। इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने निर्धारित कार्यक्रमों को समयबद्ध तरीके से पूरा कर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे 16 रक्षा उपक्रमों के वार्षिक प्रदर्शन की समीक्षा

स्वदेशी तकनीक के विकास और रक्षा निर्यात बढ़ाने पर रहेगा जोर, सात रक्षा कंपनियां सरकार को देंगी लाभांश के चेक

नई दिल्ली/एजेंसी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 1 सितंबर, 2026 को नई दिल्ली में सार्वजनिक क्षेत्र के 16 रक्षा उपक्रमों के वार्षिक कार्य-निष्पादन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक में रक्षा क्षेत्र में नई स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के विकास, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और रक्षा उत्पादों के निर्यात में वृद्धि पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बैठक के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के

सात रक्षा उपक्रमों के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सरकार की इक्विटी हिस्सेदारी पर प्राप्त लाभांश के चेक रक्षा मंत्री को सौंपेंगे। इनमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड, मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड, बीईएमएल और मिधानी शामिल हैं।

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह चार पुस्तकों का विमोचन भी करेंगे। इनमें 'आत्मनिर्भर डीपीएसयू-आत्मनिर्भरता की दिशा में डीपीएसयू की यात्रा', 'दिशा', 'एचएएल का आधुनिकीकरण रोडमैप' और 'एचएएल का स्वदेशीकरण रोडमैप' शामिल हैं।

सुभाषितम्

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है। -अमेरिकी कहावत

जंगलों पर जहरीला वार

इन दिनों हिमाचल प्रदेश के वनों में ग्लाइफोसेट और पैराकुएट जैसे घातक पौधनाशकों के छिड़काव के बाद मटर की फसल बिजाई के मामले सामने आए हैं। मंडी की थाची रेंज में ऐसे मामले सामने आने के बाद वन विभाग के कर्मियों द्वारा मटर की फसल बर्बाद करने की कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष जब थुनाग, जंजैहली क्षेत्र में बरसात में भारी तबाही हुई थी उस समय भी ऐसी बातें निकली थीं कि उस क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में पौधनाशक रसायनों का छिड़काव करके मटर लगाया गया था, जिससे भूस्खलन से नुकसान में भारी बढ़ोतरी हुई। अभी जो मामला सामने आया है उससे एक सवाल तो यह भी पैदा होता है कि क्या यह एकाकी मामला है या हिमाचल में अन्य जगह पर भी इस तरह का वन विनाश हो रहा है। सरकार को चाहिए कि तत्काल पूरे प्रदेश में जहां जहां बेमौसमी मटर और अन्य बेमौसमी सब्जियों का कारोबार हो रहा है, वहां सर्वे करवा कर देखा जाए कि खेतों के बाहर जंगल में तो सब्जियां नहीं उगाई जा रहीं। हिमाचल प्रदेश में वन भूमि पर कब्जा करके खेती करने या छोटा मोटा आश्रय या गोशाला बना कर जम जाने का पुराना इतिहास रहा है। खासकर जब से व्यवसायिक खेती की बात आगे बढ़ी है, तबसे इस प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हुई है। 80 के दशक में चिपको आंदोलन के सिलसिले में मैंने आदरणीय सुंदरलाल बहुगुणा जी के साथ पूरे हिमाचल का भ्रमण किया था। उसके बाद भी हम लोग दूरदराज इलाकों में हर वर्ष पैदल यात्राएं करते थे। उस समय आलू और सेब के लिए वन भूमि पर कब्जे की प्रक्रिया चल रही थी। पहले ढलानों को धीरे-धीरे नेपाली मजदूर रख कर साफ करवाया जाता और उसमें आलू लगाने के साथ-साथ सेब के पौधे लगा लिए जाते। वह वनों में काटो और कमाओ के नारे का युग था। प्राइवेट सेल के माध्यम से किसानों की जमीन के नाम पर निजी ठेकेदार जंगल से भारी मात्रा में इमारती लकड़ी काट कर उसमें मिला कर स्मगल कर लेते थे। नेरवा में इस तरह के धंधे में लिप्त लोगों के 72 हजार स्लीपर पकड़े गए थे। छाजपुर के जंगल में कई बगीचे पहले आलू के खेत बने फिर सेब के बगीचे बन गए। एक पदयात्रा में 1986 के आसपास जुब्बल और ननखड़ी के बीच में चूंजर में पुराने तालाब और उससे लगती ढलानों में आलू की खेती हो रखी थी। किंतु तब तक यह काम छोटे पैमाने पर था। हाथ से खुदाई करते समय लगता था। किंतु इन पौधनाशक रसायनों ने तो काम बहुत ही आसन कर दिया है। छिड़काव करो और ढलान में सीधे मटर या अन्य सब्जियां लगा दो। ढलान में जो स्थायी खेत बने हैं, उनको सीढ़ीदार खेत बना कर खेती होती है, जिससे भूमि कटाव नहीं होता है। किंतु यह तो फटाफट मामला है और मेहनत भी कम। बेमौसमी सब्जी के दाम भी ऊंचे मिल जाते हैं, जिससे यह लाभकारी गतिविधि बन गई है। इसलिए बहुत ही सावधानी और सतत निगरानी की जरूरत आन पड़ी है। हैरानी की बात है कि वन विभाग के कानों तक यह बात इतनी देर से पहुंच रही है। इस तरह के कामों में कहीं न कहीं राजनीतिक संरक्षण की भी बातें सामने आती हैं। लोग और विभाग भी कई बार जानते हुए भी चुप रहते हैं। किंतु अब तो यह मामला वनों के लिए एक बड़े खतरे का रूप ले चुका है। इसलिए सरकार को व्यापक अभियान चला कर पूरे प्रदेश में जहां-जहां बेमौसमी सब्जी का बड़े पैमाने पर उत्पादन हो रहा है, वहां देखना चाहिए कि जंगल तो इसकी चपेट में न आ जाएं। सरकार मिशन 32 प्रतिशत चला कर प्रदेश के 32 प्रतिशत भू-भाग पर वनीकरण की योजना बना रही है, किंतु ऐसी हालत में सफलता संदिग्ध ही रहेगी। इस रासायनिक छिड़काव से सबसे ज्यादा हानि 6 से 8 हजार फीट ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दुर्लभ जैव विविधता को हो रही है। उपरोक्त योजना में लक्ष्य तो संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र को सुधारने का रखा गया है, जो वनों को देखने की सही दृष्टि है। किंतु इन रासायनिक हमलों से यदि वन क्षेत्र को नहीं बचाया गया तो यह लक्ष्य कैसे प्राप्त किया जा सकता है।

ग्लाइफोसेट जैसे रसायन सब तरह से घातक हैं। इनके संपर्क में आने से कैंसर होने की संभावना बढ़ जाती है। जैव विविधता के नाश से आजीविका के भी कई संसाधन नष्ट हो जाते हैं। ये रसायन वनक्षेत्र की मिट्टी में उपस्थित जीवाणुओं को नष्ट करके कार्बन प्रचूषण क्षमता को भारी नुकसान पंहुचाते हैं। जगलों से बह कर ये रसायन आसपास के जलस्त्रोतों को जहरीला बना कर जल जीवों के लिए भी खतरा बन जाते हैं। इन रसायनों से प्रभावित मिट्टी में जो फसल पैदा होती है उसमें भी इनके जहरीले तत्व आने की पूरी संभावना रहती है, जिस पर भी शोध किया जाना चाहिए। केरल सरकार इन रसायनों को पहले ही प्रतिबंधित कर चुकी है। केंद्र सरकार ने भी इस आशय के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन रसायनों की बिक्री पर ही प्रतिबंध लग जाना चाहिए। राज्य में कृषि बीज और कीटनाशक दवाइयां बिक्री करने वाले ही इन दवाओं को उपलब्ध करवाते हैं और इन रसायनों को बनाने वाली कंपनियां नई नई लुभावनी जानकारियां विज्ञापनों के माध्यम से फैलाती रहती हैं। आजकल बड़े पेड़ों को सुखाने की दवाइयों के सोशल मीडिया पर विज्ञापनों की बाढ़ आई हुई है। ऐसे विज्ञापनों पर भी प्रतिबंध लगना चाहिए। हिमालय नीति अभियान कई दिनों से इन पौधनाशक रसायनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए सरकार से भी अनुरोध कर रहा है। वनों के विनाश में इनके योगदान को देखते हुए हम हिमालय निति अभियान की ओर से पुनः सरकार से मांग करते हैं कि इस दिशा में शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करके इस खतरे से निपटने का काम करे।

-कुलभूषण उपमन्यु

युवा शक्ति के हाथों फिर विश्वगुरु बनेगा भारत

प्रहलाद सबनानी

भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में अपनी पहचान बना चुका है। विश्व के अनेक विकसित देशों में जन्म दर लगातार घट रही है, औसत आयु बढ़ रही है और कार्यशील जनसंख्या का अनुपात कम हो रहा है। ऐसे समय में भारत के पास विशाल युवा शक्ति मौजूद है। यही युवा शक्ति आने वाले दशकों में भारत की अर्थव्यवस्था, तकनीक, उद्योग, विज्ञान और वैश्विक प्रभाव की दिशा तय करेगी।

भारत की लगभग 68 प्रतिशत आबादी 15 से 64 वर्ष आयु वर्ग में है। 26 प्रतिशत आबादी 10 से 24 वर्ष के बीच है। 50 प्रतिशत से अधिक भारतीयों की आयु 25 वर्ष से कम है, जबकि 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। भारतीय नागरिकों की औसत आयु लगभग 28.4 वर्ष है। यह स्थिति भारत को एक बड़े जनसांख्यिकी लाभांश का अवसर देती है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के अनुसार जनसांख्यिकी लाभांश उस आर्थिक क्षमता को कहा जाता है, जो आबादी की आयु संरचना में बदलाव से उत्पन्न होती है। जब कार्यशील आयु वर्ग की आबादी गैर-कार्यशील आयु वर्ग से अधिक हो जाती है, तब देश के सामने आर्थिक प्रगति का बड़ा अवसर पैदा होता है। भारत इस अवसर की खिड़की में प्रवेश कर चुका है और आगामी दशकों तक इसका लाभ उठा सकता है।

दुनिया की जरूरत : अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में कार्यशील आयु वर्ग के नागरिकों की संख्या 104 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इसी अवधि में भारत का निर्भरता अनुपात अपने इतिहास के न्यूनतम स्तर 31.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है। आगामी दशक में वैश्विक कार्यबल में होने वाली वृद्धि में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रहने वाली है। यूरोप, जापान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कई अन्य विकसित देशों के सामने वृद्ध होती आबादी तथा कुशल कामगारों की कमी बड़ी चुनौती बन रही है। स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग, विज्ञान, अनुसंधान, तकनीक, निर्माण और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभाओं की मांग तेजी से बढ़ी है।

भारतीय मूल के लगभग चार करोड़ लोग आज दुनिया के विभिन्न देशों में रह रहे हैं। वे अपनी कर्मभूमि के देशों में योगदान देते हुए भारत की संस्कृति, कार्यशीलता और उद्यमशीलता का परिचय भी देते हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के नागरिकों की औसत वार्षिक आय स्थानीय औसत आय की तुलना में काफी अधिक बताई जाती है। सिलिकॉन वैली से लेकर यूरोपीय देशों तक भारतीय प्रतिभा की उपस्थिति आज स्पष्ट दिखाई देती है। प्रवासी भारतीयों द्वारा भारत भेजी जाने वाली धनराशि भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। पिछले वर्ष भारतीय मूल के नागरिकों ने लगभग 14,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर भारत भेजे। यह दुनिया में किसी देश को प्राप्त होने वाली सबसे बड़ी रेमिटेंस राशि के रूप में सामने आती है।

कौशल बनेगा वैश्विक रोजगार का पासपोर्ट : देश से प्रतिवर्ष लाखों लोग रोजगार और व्यवसाय के अवसरों की तलाश में विदेशों का रुख कर रहे हैं। जापान, इजराइल, वियतनाम, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय कुशल कामगारों की मांग बढ़ रही है। अनुमान है कि वर्ष 2030 तक इन देशों में करोड़ों कुशल कामगारों की कमी उत्पन्न हो सकती है। भारत सरकार ने इस वैश्विक अवसर को ध्यान में रखते हुए युवाओं के कौशल विकास के लिए प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, उड़ान, संकल्प, प्रशिक्षु अधिनियम के अंतर्गत प्रशिक्षण, महिलाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री कौशल केंद्र, कौशल ऋण योजना और भारतीय कौशल संस्थान जैसी अनेक पहलें शुरू की हैं।

भारत हर वर्ष 25 लाख से अधिक कुशल कामगार तैयार कर रहा है। इसके बावजूद बड़ी संख्या में युवा ऐसे हैं जो शिक्षा, प्रशिक्षण या रोजगार से जुड़े हुए नहीं हैं। एक हालिया प्रतिवेदन के अनुसार लगभग आठ करोड़ युवा आज अध्ययन, कौशल विकास या रोजगार की मुख्यधारा से बाहर हैं। यह स्थिति भारत के सामने मौजूद अवसर को बड़ी चुनौती में भी बदल सकती है। युवा शक्ति की संख्या अपने आप आर्थिक शक्ति में परिवर्तित नहीं होती। इसके लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, डिजिटल दक्षता, स्वास्थ्य, अनुशासन, उद्यमशीलता और रोजगार के अवसरों का मजबूत तंत्र आवश्यक है।

विदेशों से समझौते और नए रास्ते : भारत विभिन्न देशों के साथ प्रवास एवं गतिशीलता साझेदारी समझौतों के माध्यम से युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय रोजगार के रास्ते सुगम बना रहा है। जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ हुए समझौतों का उद्देश्य भारतीय कामगारों और पेशेवरों की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

भारत विभिन्न देशों के साथ पारस्परिक मान्यता समझौतों पर भी काम कर रहा है। इससे भारतीय युवाओं की शिक्षा और कौशल को विदेशी संस्थानों में मान्यता मिलने का रास्ता आसान होगा। विदेश जाकर काम करने वाले भारतीयों की सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी समझौते महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस पूरी प्रक्रिया का व्यापक उद्देश्य यही है कि भारतीय युवा वैश्विक श्रम बाजार में सम्मानजनक अवसर प्राप्त करें और भारत अपनी विशाल मानव संसाधन शक्ति को आर्थिक सामर्थ्य में बदल सके।

विदेश जाएं, सीखें और भारत लौटकर रोजगार पैदा करें : भारत की युवा शक्ति का महत्व विदेशों में रोजगार प्राप्त करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। विदेशों में काम करने वाले भारतीय नई तकनीक, प्रबंधन पद्धति, उत्पादन तकनीक और वैश्विक बाजार की समझ हासिल कर भारत लौट सकते हैं। वे अपने अनुभव और पूंजी के आधार पर देश में नए व्यवसाय स्थापित कर सकते हैं। यही प्रक्रिया भारत में रोजगार के नए अवसर पैदा कर सकती है। इससे उत्पादन बढ़ेगा, निर्यात को गति मिलेगी और भारतीय उद्योग वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकेंगे। भारत के लिए आज युवा वर्ग एक अमूल्य राष्ट्रीय संपत्ति है। इसकी शक्ति को सही दिशा देना आने वाले वर्षों की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

युवा ऊर्जा को अराजकता नहीं, राष्ट्र निर्माण चाहिए : हाल में दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी युवाओं से जुड़े आंदोलन ने युवा शक्ति की दिशा पर भी चर्चा को जन्म दिया। किसी भी लोकतांत्रिक समाज में युवाओं को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। साथ ही सार्वजनिक विमर्श की भाषा, सामाजिक मयार्दा और भारतीय सांस्कृतिक संस्कारों का ध्यान रखना भी आवश्यक है। भारत जिस समय वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, उस समय युवा ऊर्जा को रचनात्मक दिशा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। असंतोष को ज्ञान, संवाद, नवाचार, उद्यम और सामाजिक परिवर्तन की शक्ति में बदलना होगा। देश के युवाओं के सामने आज रोजगार की तलाश के साथ राष्ट्र निर्माण का भी बड़ा अवसर है।

विश्वगुरु बनने की राह युवा शक्ति से होकर जाएगी : भारत ने लंबे ऐतिहासिक संघर्ष के बाद आर्थिक और सामाजिक पुनर्निर्माण की यात्रा तय की है। कभी भारत विश्व व्यापार में महत्वपूर्ण स्थान रखता था। वस्त्र, मसाले, इस्पात और अनेक उत्पादों के कारण भारत को समृद्ध देश के रूप में देखा जाता था। औपनिवेशिक काल में भारत की आर्थिक शक्ति को भारी क्षति पहुंची। स्वतंत्रता के बाद भी लंबे समय तक आर्थिक विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रही।

1991 के आर्थिक सुधारों और उसके बाद विभिन्न चरणों में हुए आर्थिक बदलावों ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति दी। वर्ष 2014 के बाद आर्थिक सुधारों, बुनियादी ढांचे के विस्तार, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण और उद्यमिता पर बढ़े जोर ने भारत के विकास को नई दिशा दी है। आज भारत वैश्विक अर्थव्यवस्था में तेजी से अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। इस यात्रा को स्थायी और व्यापक बनाने में युवा शक्ति निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

भारत की अगली बड़ी छलांग जनसंख्या की संख्या से नहीं, उस जनसंख्या की क्षमता से तय होगी। यदि युवा शिक्षा से जुड़े, कौशल हासिल करें, तकनीक को अपनाएं, उद्यमिता को आगे बढ़ाएं, भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जुड़े रहें और वैश्विक अवसरों का उपयोग राष्ट्रहित में करें, तो भारत की युवा शक्ति दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक और सामाजिक ताकतों में परिवर्तित हो सकती है। भारत के युवाओं के सामने इतिहास स्वयं को दोहराने का अवसर लेकर खड़ा है। यह पीढ़ी तय कर सकती है कि भारत विश्व की अर्थव्यवस्था में एक बड़ा भागीदार बनेगा या वैश्विक नेतृत्व की भूमिका भी निभाएगा। विश्वगुरु भारत की कल्पना को साकार करने की शक्ति आज देश के युवा हाथों में है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

बच्चों में आई फोन का बढ़ता एडिक्शन

प्रो. मनीषा शर्मा

आज के डिजिटल क्रांति के युग में मोबाइल फोन बच्चों की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई, मनोरंजन और लोगो से संपर्क के लिए इसका प्रचलन इस कदर बढ़ गया है कि इसके बिना जीने की कल्पना मात्र से युवा सिहर जाते है। इसकी उपयोगिता से इनकार नहीं किया जा सकता लेकिन आज युवाओं के मध्य महंगे और ब्रांडेड फोन, खासकर आई फोन को लेकर बढ़ती दीवानगी माता-पिता के लिए चिंता का सबब बन रही है। कई बच्चे फोन को अपनी जरूरत से ज्यादा स्टेटस सिंबल मानने लगे हैं।

इसी एडिक्शन का शिकार हुआ महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर (औसा)का कुणाल, जिसने आई फोन की जिद में अपनी जिंदगी को ही दांव पर लगा दिया । ना सिर्फ अपने बल्कि अपने मां-बाप की जिंदगी को भी अपनी जिद की भेंट चढ़ा दिया। कुणाल जो 19 वर्ष का था अपनी आई फोन खरीदने की जिद के कारण पहाड़ी से कूद कर जान देने की कोशिश करने लगा उसको बचाने में पिता गिर गए और इस सदमे में उसकी मां भी पहाड़ी से कूद गई। खबरों से पता चला कि उसने आई फोन खरीद लिया था पर ईएमआई भरना उसके बस की बात नहीं थी। उसने परिवार से जिद की, परिवार वालों ने समझाया कि उनकी हैसियत इतनी नहीं है कि वह ईएमआई भर पाए। बस वह अपनी जिद पूरी करने और घरवालों पर मानसिक दबाव बनाने के लिए पहाड़ी पर चला गया और कहने लगा कि नहीं भरोगे तो नीचे कूद जाऊंगा। इसी घटनाक्रम में एक ही परिवार के तीन लोगों की दर्दनाक मृत्यु हो जाती है।

बच्चों में आई फोन की इस बढ़ती चाहत के पीछे सोशल मीडिया, दोस्तों के समूह का प्रभाव और विज्ञापनों की बड़ी भूमिका है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म पर महंगे फोन को सफलता , सम्पन्नता और आधुनिक जीवनशैली से जोड़कर दिखाया जाता है। जब एक बच्चा अपने दोस्तों के हाथ में नया आई फोन देखता हैं तो उसके मन में भी वैसा ही फोन पाने की ललक पैदा होती है। कई बार यह इच्छा इतनी तीव्र होती है कि वह इसके लिए कुछ भी करने को तैयार हो जाता हैं।वह चोरी ,डकैती या कोई भी अपराध करने को भी तैयार हो जाता है।इस प्रकार जिद और सामाजिक दबाव में वह अपना विवेक खोकर किसी भी कीमत पर अपनी इच्छा की पूर्ति करना चाहता है।

इस प्रवृत्ति का असर केवल परिवार के बजट पर नहीं, बल्कि बच्चों की सोच पर भी पड़ता है। यदि बच्चा अपनी पहचान को सिर्फ महंगे फोन और ब्रांडेड वस्तुओं से जोड़ने लगे, तो उसमें दिखावे और तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है। ये हम सभी जानते है कि मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से पढ़ाई, नींद , एकाग्रता प्रभावित होती है।

इसका समाधान बच्चों को पूरी तरह तकनीक से दूर करना नहीं है, क्योंकि ऐसा कर पाना मुश्किल है। स्मार्टफोन आज शिक्षा, संपर्क और जानकारी का महत्वपूर्ण साधन है। जरूरत है कि माता-पिता, शिक्षक बच्चों को तकनीक और उपभोक्तावाद के बीच अंतर समझाएं। फोन खरीदते समय उसकी कीमत या ब्रांड के बजाय उसकी उपयोगिता, जरूरत और परिवार की आर्थिक क्षमता को देखे।इसका सीमित और जरूरत पूर्ति के लिए प्रयोग हो।

युवा डिजिटल दुनिया और दिखावे में इसलिए फंस रहे हैं क्योंकि आज सोशल मीडिया ने तुलना, लोकप्रियता और उपभोग को जीवनशैली का हिस्सा बना दिया है। सोशल मीडिया पर लोग अपनी जिंदगी का चमकदार पक्ष दिखाते हैं। इससे युवाओं में तुलना की प्रवृत्ति बढ़ती है। ये देखकर वे अपनी जिंदगी को कमतर समझने लगते हैं। वर्तमान समय में युवा लाइक और फॉलोअर्स की संख्या को ही सब कुछ समझ ने लगे है। यह डिजिटल लोकप्रियता युवाओं के आत्मसम्मान से जुड़ने लग रही है। ज्यादा लाइक और फॉलोअर्स को ही आज सफलता का पैमाना माना जा रहा है।

यह दिखावे की संस्कृति इस कदर युवाओं पर हावी हो गई है कि महंगे फोन, कपड़े, गाड़ियां, घूमने की जगहें और पार्टियां सोशल मीडिया पर नाम और प्रतिष्ठा के प्रतीक बन गए हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आते विज्ञापन लगातार ऐसी चीजें सामने लाते हैं जो युवाओं में खरीदने और बेहतर दिखने की इच्छा पैदा करती हैं। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और सफलता बहुत आसान दिखाई देती है। इससे मेहनत, धैर्य और वास्तविक उपलब्धियों का महत्व कम होने लगता है। इस डिजिटल दुनिया में हजारों की संख्या में फ्रेंड होने के बावजूद आज कई युवा अपनी जिन्दगी में अकेलेपन से जूझ रहे हैं।कई बार वास्तविक जीवन में संवाद की कमी को युवा डिजिटल दुनिया में समय बिताकर पूरा करने की कोशिश करते हैं।

आज असली चुनौती इस डिजिटल दुनिया के प्रभाव को समझना है जो एक नशे की तरह उन्हें अपनी गिरफ्त में लेती जा रही है। युवाओं को यह समझना होगा कि सोशल मीडिया पर दिखाई देने वाली जिंदगी पूरी तरह से सच नहीं होती। जीवन की वास्तविक सफलता महंगे फोन, ब्रांडेड सामान, लाइक या फॉलोअर्स में नहीं, बल्कि परिश्रम , ज्ञान, चरित्र , परिवार और आत्म विश्वास में है।

वर्तमान में माता पिता बच्चे की हर जरूरत पूरी करने को ही अपनी पेरेंटिंग समझ रहे है। कही न कही परिवार में संवाद कम हुआ है। हर घर में मोबाइल संस्कृति इस कदर हावी है कि चार लोग एक कमरे में बैठ कर भी अपने- अपने मोबाइल में बिजी दिखते है।माता-पिता को बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करनी चाहिए और उन्हें समझाना चाहिए कि किसी महंगे फोन, गैजेट्स का होना सफलता या श्रेष्ठता का पैमाना नहीं है। बच्चों को खेल, किताबों, रचनात्मक गतिविधियों और वास्तविक सामाजिक संबंधों के लिए भी पर्याप्त समय देना जरूरी है।

स्मार्टफोन अपने आप में समस्या नहीं है;, समस्या तब पैदा होती है जब वस्तु जरूरत से बढ़कर मान सम्मान, प्रतिष्ठा और पहचान का प्रतीक बन जाती है। बच्चों को तकनीक का समझदारी और संयम से इस्तेमाल करना सिखाना ही इस बढ़ती सनक का सबसे बेहतर समाधान है। बच्चे का व्यक्तित्व और संस्कार ही उसकी असली पहचान है। संवाद, समझाइश, समय और संयम के साथ परिवार के संस्कार उसे इस प्रकार के एडिक्शन और आभासी दुनिया से दूर रखने में सहायक हो सकते है।

(लेखिका, शिक्षाविद हैं।)

आरक्षण की राजनीति

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

भारतीय राजनीति में जाति, आरक्षण और सामाजिक न्याय का प्रश्न कोई नया नहीं है। आजादी के बाद से ही सामाजिक रूप से वंचित वर्गों को मुख्यधारा में लाने के लिए संविधान ने विशेष प्रावधान किए। समय के साथ आरक्षण केवल सामाजिक प्रतिनिधित्व का माध्यम नहीं रहा, बल्कि वह भारतीय चुनावी राजनीति का एक प्रभावशाली हथियार भी बन गया। आज स्थिति यह है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों दल सामाजिक न्याय, संविधान और आरक्षण के सवालों को अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं। इससे समाज का एक बड़ा वर्ग स्वयं को राजनीतिक रूप से ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

हाल में राहुल गांधी द्वारा एक दलित नेता के कार्यक्रम के बाद कथित रूप से स्थान के शुद्धिकरण को लेकर दिया गया बयान इसी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गया है। उनका कहना था कि यदि किसी व्यक्ति की जाति के आधार पर किसी स्थान का शुद्धिकरण किया गया है तो यह छुआछूत की मानसिकता को दशार्ता है और इस पर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बयान को लेकर हल्द्वानी कोतवाली में अमित कुमार द्वारा शिकायत किए जाने और पुलिस द्वारा प्राथमिकी दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। शिकायतकर्ता ने स्वयं को अनुसूचित जाति समुदाय से बताते हुए आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने पूरे तथ्य जाने बिना सफाई की सामान्य प्रक्रिया को जातिगत भेदभाव से जोड़ दिया।

यह मामला केवल एक राजनीतिक बयान या प्राथमिकी तक सीमित नहीं है। इसके पीछे भारतीय राजनीति में जाति की लगातार बढ़ती भूमिका का बड़ा प्रश्न छिपा हुआ है। यदि वास्तव में किसी व्यक्ति को उसकी जाति के कारण अपमानित किया गया है तो निश्चित रूप से कानून को अपना काम करना चाहिए। लेकिन दूसरी ओर, किसी सामान्य प्रशासनिक, धार्मिक अथवा सामाजिक प्रक्रिया को बिना पर्याप्त तथ्य के जातिगत भेदभाव का नाम देना भी गंभीर विषय है। सामाजिक न्याय की लड़ाई तभी मजबूत होगी जब आरोप तथ्य और प्रमाण पर आधारित हों, न कि राजनीतिक सुविधा पर।

इसी बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियम और आर्थिक आधार पर आरक्षण सहित विभिन्न मांगों को लेकर जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शनों के बाद केंद्रीय नेताओं के बयानों ने आरक्षण की राजनीति को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। राजनाथ सिंह, अमित शाह और चिराग पासवान जैसे नेताओं के बयानों को लेकर भी राजनीतिक बहस तेज हुई है। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सत्ता और विपक्ष भारतीय समाज को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं?

विपक्ष पर अक्सर यह आरोप लगाया जाता है कि वह संविधान, मनुस्मृति और छुआछूत जैसे मुद्दों को राजनीतिक हथियार बनाकर दलित मतदाताओं को अपने पक्ष में लामबंद करना चाहती है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष पर भी आरोप है कि वह आरक्षण और संविधान की राजनीति के माध्यम से विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच अपना चुनावी आधार मजबूत करने का प्रयास करती है। यदि दोनों पक्षों की राजनीति का केंद्र केवल चुनावी गणित बन जाय तो सामाजिक न्याय का मूल उद्देश्य पीछे छूट सकता है।

यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य को स्पष्ट करना भी आवश्यक है। भारतीय संविधान में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए राजनीतिक प्रतिनिधित्व संबंधी आरक्षण की प्रारंभिक अवधि दस वर्ष निर्धारित की गई थी, लेकिन संसद ने संवैधानिक संशोधनों के माध्यम से इसे लगातार आगे बढ़ाया है। इसलिए यह कहना कि भारत में हर प्रकार का आरक्षण केवल दस वर्ष के लिए था ।

आरक्षण का मूल उद्देश्य उन समुदायों को अवसर देना था जिन्हें सदियों तक सामाजिक भेदभाव और अवसरों की असमानता का सामना करना पड़ा, यह उद्देश्य आज भी महत्वपूर्ण है। लेकिन सात दशक से अधिक समय बाद यह सवाल पूछना भी लोकतांत्रिक अधिकार है कि आरक्षण व्यवस्था का लाभ सबसे अधिक जरूरतमंद व्यक्ति तक किस प्रकार पहुंचे। क्या लाभ एक सीमित वर्ग तक ही केंद्रित हो रहा है? क्या आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन आरक्षण के दायरे से बाहर रहने वाले परिवारों के लिए पर्याप्त अवसर हैं? क्या शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जिससे किसी व्यक्ति को केवल जाति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी वास्तविक सामाजिक और आर्थिक स्थिति के आधार पर भी सहायता मिले?

आर्थिक आधार पर आरक्षण की मांग इसी व्यापक बहस का हिस्सा है। देश में अनेक लोग मानते हैं कि गरीबी किसी जाति, धर्म या समुदाय की सीमा नहीं देखती। गरीब परिवार चाहे किसी भी सामाजिक समूह से हो, उसके बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अवसर मिलना चाहिए। लेकिन इसके साथ यह भी समझना होगा कि सामाजिक भेदभाव और आर्थिक पिछड़ापन एक ही समस्या नहीं हैं। आर्थिक सहायता सामाजिक भेदभाव की समस्या को पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकती। इसलिए सामाजिक और आर्थिक दोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर नीति बनाने की आवश्यकता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि चुनाव आते ही राजनीतिक दल समाज को अलग-अलग पहचान के आधार पर देखने लगते हैं। कभी जातीय जनगणना और सामाजिक हिस्सेदारी के नाम पर राजनीतिक ध्रुवीकरण किया जाता है। सवाल यह है कि समाज को बांटने वाली राजनीति चाहे सत्ता पक्ष करे या विपक्ष, उसका अंतिम नुकसान किसे होता है? नुकसान आम नागरिक का ही होता है।

बहुसंख्यक समाज में भी आज यह भावना मजबूत हो रही है कि राजनीतिक दल उनकी वास्तविक समस्याओं से अधिक चुनावी समीकरणों को महत्व देते हैं। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की आय, छोटे व्यापारियों की कठिनाइयां, युवाओं का भविष्य और कानून-व्यवस्था जैसे प्रश्न पीछे चले जाते हैं और चुनावी मंच पर जाति तथा धार्मिक पहचान प्रमुख हो जाती है।

हालांकि 'बहुसंख्यक हिन्दू' को एक समान राजनीतिक या सामाजिक समूह मान लेना भी उचित नहीं होगा। हिन्दू समाज के भीतर स्वयं जाति, क्षेत्र, भाषा, आर्थिक स्थिति और सामाजिक अनुभवों की बड़ी विविधता है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल को यह दावा नहीं करना चाहिए कि वह पूरे समाज की एकमात्र आवाज है। लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक की समस्याओं और अधिकारों को समान महत्व मिलना चाहिए। **(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

आज का राशिफल

मेष- अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है।

वृष- महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा।

मिथुन- परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं।

कर्क- राजकीय कार्यों से लाभ। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी।

सिंह- अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

कन्या- कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें।

तुला- पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। धार्मिक यात्रा का योग हैं।

वृश्चिक- स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी।

धनु- संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी।

मकर- मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए।

कुंभ- स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी।

मीन- सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी।

500 भक्तों ने जानी शिव-तत्त्व की महिमा-

'भक्ति ही शक्ति है, शिव-तत्त्व ही मुक्ति का मार्ग है' के संदेश से शिवमय हुआ पाथेय भवन

शिवोलॉजी में अध्यात्म, जीवन-प्रबंधन और सामाजिक चेतना का हुआ अद्भुत समागम

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर स्थित पाथेय भवन सभागार में मालवीय कॉन्वेंट स्कूल, शशि कपूर फाउंडेशन ट्रस्ट, द अर्थ एसोसिएशन तथा श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में दिव्य शिव कथा 'शिवोलॉजी' का भव्य आयोजन किया गया। अध्यात्म, जीवन-प्रबंधन, सामाजिक चेतना और मधुर संगीत के अनूठे समन्वय से सजे इस कार्यक्रम में लगभग 500 गणमान्य नागरिकों एवं शिवभक्तों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, आध्यात्मिक चिंतक एवं शिव-तत्त्व व्याख्याता, धर्म ध्वजा रक्षक पंकज ओझा जी ने भगवान शिव के आदर्शों, जीवन-दर्शन, भक्ति और शिवमय जीवन के गूढ़ रहस्यों को अत्यंत सरल, प्रभावशाली और प्रेरक शैली में प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवान शिव के विविध स्वरूपों एवं गुणों को केवल धार्मिक आस्था तक सीमित न रखते हुए आधुनिक जीवन की चुनौतियों से जोड़कर समझाया।

पंकज ओझा ने कहा कि शिव-तत्त्व मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में धैर्य, विषमताओं में संतुलन, शक्ति के साथ करुणा और सांसारिक दायित्वों के बीच आत्मिक शांति बनाए रखने की प्रेरणा देता है। शिव का जीवन-दर्शन व्यक्ति को अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार, भय और अस्थिरता पर विजय प्राप्त कर सकारात्मक, अनुशासित एवं लोककल्याणकारी जीवन जीने का मार्ग दिखाता है।

कथा के दौरान उन्होंने समाज को नई दिशा देने, सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने, नशामुक्त समाज के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण, समानता, पारिवारिक मूल्यों और सेवा-भाव जैसे महत्त्वपूर्ण विषयों को शिव-तत्त्व से जोड़ते हुए एक अनूठी एवं प्रभावशाली प्रस्तुति दी। उन्होंने भगवान शिव की सरलता, समभाव, त्याग, तप, करुणा, निर्भयता और प्रकृति-प्रेम को वर्तमान समय में आदर्श जीवन-प्रबंधन का आधार बताया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण युवाओं के साथ हुआ संवाद रहा। बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं ने व्यक्तिगत जीवन, तनाव, असफलता, आत्मविश्वास, क्रोध, संबंधों, तुलना, अकेलेपन, लक्ष्य, सोशल मीडिया, मानसिक अशांति और भविष्य से जुड़ी अपनी जिज्ञासाएँ रखीं। इन प्रश्नों के उत्तर भगवान शिव के आदर्शों और संदेशों के माध्यम से दिए गए। 'शिवोलॉजी' के अंतर्गत शिव के जीवन-दर्शन से युवाओं को स्वयं पर नियंत्रण, मन की स्थिरता, सही निर्णय लेने की क्षमता और जीवन में संतुलन स्थापित करने के व्यावहारिक सूत्र समझाए गए।

कार्यक्रम में प्रस्तुत मधुर एवं भक्तिमय संगीत ने पूरे सभागार को शिवमय बना दिया। इस विशेष संगीत को वक्ता पंकज ओझा द्वारा स्वयं संयोजित एवं संपादित किया गया था। भगवान शिव की स्तुति, प्रेरक संदेशों और संगीत के भावपूर्ण संगम ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। श्रोता कार्यक्रम के आरंभ से अंत तक एकाग्रता और मनोयोग के साथ जुड़े रहे तथा अनेक अवसरों पर भक्तिभाव से शिव-नाम का बार बार उद्घोष किया।

आयोजन समिति में शशि कपूर फाउंडेशन के अध्यक्ष और मालवीय कान्वेंट स्कूल के प्रबंध निदेशक डॉ. (सी.ए.) सन्नी कपूर द अर्थ एसोसिएशन की अध्यक्ष डॉ. हेमलता शर्मा, श्री धर्म फाउंडेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष गब्बर कटारा की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन और समन्वय से कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ विभिन्न समाजों के गणमान्य प्रतिनिधियों, उद्योगपतियों, व्यवसायियों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के अधिकारियों-कर्मचारियों, समाजसेवियों, मीडियाकर्मियों तथा शिक्षा जगत से जुड़े प्रबुद्धजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में प्रसिद्ध संत श्री बालक नाथ जी, प्रसिद्ध गौ सेवक महेश जोशी जी आदि की भी गरिमामय उपस्थिति रही... सभी उपस्थित अतिथियों और श्रद्धालुओं का दुपट्टा ओढ़ाकर आत्मीय सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में प्रत्येक सहभागी को आध्यात्मिक स्मृति-चिह्न के रूप में रुद्राक्ष वितरित किया गया। नियमित रूप से मंत्र-जप और साधना करने वाले श्रद्धालुओं को रुद्राक्ष की माला एवं जप-काउंटर भी भेंट किए गए। कथा के उपरांत सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. (सी.ए.) सन्नी कपूर ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'भक्ति ही शक्ति है, शिव-तत्त्व ही मुक्ति का मार्ग है' के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना तथा विशेष रूप से युवा पीढ़ी को भगवान शिव के जीवन-दर्शन से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि शिवोलॉजी केवल एक धार्मिक कथा नहीं, बल्कि शिव के आदर्शों के माध्यम से जीवन को समझने, सँवारने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को पहचानने का एक प्रेरक प्रयास है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने मुक्त कंठ से आयोजन की प्रशंसा की। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता यह रही कि इसमें सर्वधर्म समभाव का भी उदाहरण देखने को मिला कुछ मुस्लिम बच्चियों के द्वारा भी न सिर्फ पूरी कथा का श्रवण किया गया बल्कि रंगोली का निर्माण भी किया गया. लगभग 500 गणमान्य नागरिकों एवं भक्तों ने भगवान शिव की महिमा, शिक्षाओं और जीवन-दर्शन को जाना तथा इन आदर्शों को अपने अंतःकरण में स्थान देकर जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया।

संक्षिप्त समाचार

स्वीप अभियानः मॉक पोल, जागरूकता रैली व मातृ शक्ति सम्मेलन से दिया गया शत-प्रतिशत मतदान का संदेश

- गुदावली में विद्यार्थियों ने बनाया प्रतीकात्मक मॉक पोलिंग बूथ, आजऊ में निकली रैली, कुम्हेर में रंगोली तथा बृजनगर में हुआ मातृ शक्ति जागरूकता सम्मेलन

चमकता राजस्थान/डीग। आगामी नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के दृष्टिगत जिलेभर में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत विद्यालयों में मॉक पोलिंग बूथ, जन-जागरूकता रैली, आकर्षक रंगोली एवं मातृ शक्ति जागरूकता सम्मेलन के माध्यम से महिलाओं, युवाओं और भावी मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में सक्रिय भागीदारी निभाने का संदेश दिया गया।

स्वीप गतिविधियों के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुदावली में विद्यार्थियों को चुनाव प्रणाली एवं मतदान प्रक्रिया से व्यावहारिक रूप से परिचित कराने हेतु मॉक पोलिंग बूथ का सजीव प्रदर्शन किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने पीठासीन अधिकारी, प्रथम व द्वितीय मतदान अधिकारी तथा मतदाताओं की भूमिका निभाते हुए मतदाता पहचान सत्यापन, अमिट स्याही अंकन एवं मतदान प्रकोष्ठ में गोपनीय मतदान की पूरी प्रक्रिया को क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत किया। वहीं, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय आजऊ कुम्हेर में छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें ग्रामीणों को मतदान दिवस पर वोट डालने हेतु प्रेरित किया गया। मतदाता जागरूकता में महिलाओं की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कुम्हेर में छात्राओं ने मनमोहक रंगोली सजाई और मातृशक्ति को बिना किसी प्रलोभन या भय के मताधिकार का प्रयोग करने का संदेश दिया।

दिवा में मनसे का शक्ति प्रदर्शन; 650 से अधिक नागरिकों ने किया पार्टी में प्रवेश

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/दिवा : महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राजसाहेब ठाकरे के विचारों से प्रेरित होकर तथा मौजूदा स्वार्थी राजनीति को चुनौती देते हुए दिवा के 650 से अधिक नागरिकों ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में प्रवेश किया। मनसे, दिवा शहर की ओर से आयोजित भव्य पार्टी प्रवेश समारोह में इन नागरिकों ने हाथों में मनसे का भगवा झंडा थामकर पार्टी के विचारों पर विश्वास व्यक्त किया।

इस पार्टी प्रवेश समारोह में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। पार्टी में नए शामिल हुए सभी कार्यकर्ताओं का आधिकारिक रूप से स्वागत किया गया और उनके हाथों में मनसे का झंडा सौंपा गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक राजू पाटील ने कहा, ''यह केवल पार्टी प्रवेश नहीं, बल्कि दिवा के नागरिकों का भ्रष्ट व्यवस्था के खिलाफ हुंकार है। दिवा के उज्ज्वल भविष्य के लिए एकजुट हुई नई शक्ति का यह दृढ़ संकल्प है। दिवा के प्रत्येक नागरिक को उसका हक, विकास और सम्मान दिलाने के लिए नवनिर्माण की लड़ाई इसी तरह जारी रहेगी।'' 650 से अधिक नागरिकों के पार्टी में शामिल होने से दिवा शहर में मनसे की संगठनात्मक ताकत बढ़ने का चित्र सामने आया है। आगामी समय में स्थानीय समस्याओं और विकास के मुद्दों को लेकर मनसे द्वारा और अधिक आक्रामक रुख अपनाए जाने की संभावना है।

नदी-तालाबों का 'सौदागर' बनेगा झालावाड़ का नया 'भाग्यविधाता'?

बिना चुनाव 'कुर्सी फिक्स'

एनजीटी और अदालतों को ठेंगा दिखाने वाले 'कब्जा कुमार' की ताजपोशी की तैयारी!

चमकता राजस्थान

अभिषेक सिंह झाला/ झालावाड़। लोकतंत्र का इससे बड़ा और क्या 'डिजिटल अवतार' होगा! अभी निकाय चुनाव के पर्चे की स्याही भी नहीं सूखी है, जनता ने पार्षद का चेहरा तक नहीं देखा, पर झालावाड़ नगर परिषद के 'शहंशाह' का नाम पहले ही लीक हो गया है। चुनाव तो महज़ एक औपचारिक ड्रामा बनकर रह गया है, असली 'स्क्रिप्ट' तो बिना जनता से पूछे ही लिखी जा चुकी है।

शहर के हर चाय के टपरी और गली-नुक्कड़ पर बस एक ही महानुभाव का जलवा छाया हुआ है। जनता जिस 'खोटे सिक्के' को जेब में रखने से भी कतराती है, हमारे तथाकथित राजनीतिक आका उसी को शहर की तिजोरी की चाबी सौंपने का हसीन सपना संजोए बैठे हैं।

सूत्रों की मानें तो इन 'कब्जों के बेताज बादशाह' का ट्रैक रिकार्ड किसी चमत्कार से कम नहीं है! सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और एनजीटी (ठत्रळ) के सख्त से सख्त फैसलों को कागज़ी नाव बनाकर नाले में बहा देना इनकी पुरानी आदत रही है। बिना किसी अथॉरिटी, पावर या पद के–सिर्फ 'धनबल' के दम पर जिन्होंने सरकारी ज़मीनों, नदी-नालों और तालाबों के पेटे तक को कागज़ों पर नीलाम कर अपनी तिजोरियाँ भरीं, अब उन्हें पूरे शहर का 'आधिकारिक मालिक' बनाने की बिसात बिछाई जा रही है।

जब बिना कुर्सी के ही इन्होंने नदी, नाले और सरकारी ज़मीनें ठिकाने लगा दीं... तो अब नगर परिषद की 'सरकारी कमान मिलने के बाद क्या पूरा झालावाड़ ही बेचे जाने की तैयारी है?

हर पाँच साल में एक नया, ईमानदार चेहरा ढूंढकर सड़कों और नालियों के सुधरने का सपना देखने वाले आम मतदाताओं के साथ यह लोकतंत्र का सबसे बड़ा मज़ाक है। जिन हाथों ने शहर के जन-अधिकारों की दिन-दहाड़े बोली लगाई, उन्हीं के गले में माला पहनाने की इस तैयारी ने जनता को हैरत में डाल दिया है। पिछले पांच सालो का कार्य काल जनता अभी नहीं भूली है।

अब देखना यह दिलचस्प होगा कि क्या झालावाड़ की जनता इस 'कब्ज़ा मार्का विकास' पर अपनी मुहर लगाएगी, या फिर लोकतंत्र को 'तिजोरी' समझने वालों को उनकी सही जगह दिखाएगी!

श्याम सखा मण्डल की प्रथम यात्रा रवानाः 71 श्रद्धालुओं का जत्था सेठ सांवरिया, श्रीनाथजी व पुष्कर दर्शन के लिए निकला

चमकता राजस्थान

लक्ष्मणगढ़(नरेन्द्र तिलकपुर) । श्याम सखा मण्डल बिचगांवा के तत्वावधान में 30 अगस्त, रविवार को सायं 8:30 बजे प्रथम धार्मिक यात्रा भक्तिमय माहौल के बीच सेठ सांवरिया, श्रीनाथजी एवं पुष्कर जी के लिए रवाना हुई। यात्रा की शुरुआत में मण्डल के सदस्यों उमाशंकर जांगिड़, गोविन्द पूनिया,नरोत्तम शर्मा, मनीष जांगिड़, विशंभर दयाल पूनिया, चंद्र प्रकाश जैन तथा भागचन्द शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ यात्रा का शुभारंभ किया।

श्याम सखा मण्डल के सदस्य उमाशंकर जांगिड़ ने बताया कि इस प्रथम यात्रा में कुल 71 श्रद्धालु शामिल हुए हैं। सेठ सांवरिया सेठ पहुंचने के बाद भक्तों ने भगवान के दर्शन कर खुशहाली की कामना की, जिसके पश्चात भंडारे व प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

यात्रा के अगले चरण में श्रद्धालु श्रीनाथजी के दर्शन करेंगे तथा वापसी के दौरान पुष्कर जी में पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे।

खौह बहड़को में मुख्य सड़क पर जलजमाव से ग्रामीण परेशान, प्रशासन बेखबर

- गंदे पानी से रास्ता अवरुद्ध, बीमारियों का बढ़ा खतरा

चमकता राजस्थान/महुआ/दौसा (नरेन्द्र तिलकपुर)। महुआ उपखंड क्षेत्र के ग्राम खौह बहड़को में मुख्य सड़क पर लंबे समय से हो रहे भारी जलजमाव और कीचड़ के कारण ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया है। जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से गंदा पानी सड़क पर जमा हो चुका है, जिससे मुख्य रास्ता पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। स्थानीय प्रशासन की अनदेखी के चलते ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

● आवागमन ठप, दुपहिया वाहन चालक जोखिम में

सड़क पर लबालब भरे गंदे और मटमैले पानी के कारण पैदल चलने वालों के साथ-साथ दुपहिया वाहन चालकों को बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रास्ते से गुजरते समय दोपहिया वाहन फिसलकर गिर रहे हैं, जिससे लोग चोटिल हो रहे हैं। स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मवेशियों के लिए इस रास्ते से निकलना बेहद जोखिम भरा हो गया है।

● संक्रामक बीमारियों के फैलने का बना डर

सड़क पर कई दिनों से ठहरे हुए गंदे पानी में बदबू फैलने लगी है और मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही इस पानी की निकासी नहीं कराई गई तो गांव में डेंगू, मलेरिया जैसी संक्रामक बीमारियां फैलने का गंभीर खतरा बन जाएगा।

● प्रशासनिक अनदेखी से ग्रामीणों में गुस्सा

ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। प्रशासन की इस बेरुखी से आहत ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क से जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया, तो वे उग्र प्रदर्शन करने के लिए मजबूर होंगे।

नगर निगम चुनाव सोमवार तक कुल 530 नामांकन पत्र जमा, निगम कार्यालय में दिनभर रही गहमागहमी

नामांकन के अंतिम दिन उमड़ा उत्साह, 454 प्रत्याशियों ने दाखिल किए नामांकन

चमकता राजस्थान

ब्यूरो चीफ जेके बावल। पाली ,नगर निगम आम चुनाव 2026 को लेकर चल रही नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन सोमवार को प्रत्याशियों और उनके समर्थकों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही नगर निगम कार्यालय में पार्षद पद के दावेदारों की आवाजाही बनी रही। नामांकन दाखिल करने के लिए प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ निगम कार्यालय पहुंचे। दिनभर नामांकन स्थल पर गहमागहमी का माहौल रहा।

नगर निगम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि सोमवार को नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन निर्धारित प्रक्रिया के तहत पांचों जोन में कुल 454 नाम निर्देशन पत्र जमा करवाए गए। इसके साथ ही नगर निगम आम चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया के दौरान अब तक कुल 530 नाम निर्देशन पत्र दाखिल हो चुके हैं।

पांचों जोन में जमा हुए नामांकन - रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि जोनवार नामांकन की स्थिति के अनुसार प्रथम जोन, जिसमें वार्ड संख्या 1 से 13 तक शामिल हैं, में कुल 90 नामांकन पत्र प्रस्तुत किए गए। वहीं द्वितीय जोन के वार्ड संख्या 14 से 26 तक में 117 नामांकन पत्र, तृतीय जोन के वार्ड संख्या 27 से 39 तक में 96 नामांकन पत्र, चतुर्थ जोन के वार्ड संख्या 40 से 52 तक में 115 नामांकन पत्र तथा पंचम जोन के वार्ड संख्या 53 से 65 तक में 112 नामांकन पत्र दाखिल किए गए। इस प्रकार पांचों जोन में जमा हुए नामांकन पत्रों की कुल संख्या 530 हो गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया निरीक्षण - सहायक रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी विमलेन्द्र सिंह राणावत ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के अंतिम दिन प्रत्याशियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो, इसके लिए निगम कार्यालय में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। अंतिम दिन जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने नगर निगम कार्यालय पहुंचकर नामांकन प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न काउंटरों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली तथा निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न करवाने के लिए संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

नगरीय निकाय चुनाव : 9 एवं 11 सितंबर को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। राज्य निर्वाचन आयोग, द्वारा नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 के तहत अगस्त-सितंबर में आम चुनाव करवाए जा रहे हैं। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार प्रथम चरण का मतदान 9 सितंबर 2026, बुधवार तथा द्वितीय चरण का मतदान 11 सितंबर 2026, शुक्रवार को होगा।
नागौर जिला निर्वाचन अधिकारी देवेंद्र कुमार ने आदेश जारी कर निकायों के प्रथम चरण के मतदान दिवस 9 सितंबर 2026 तथा द्वितीय चरण के मतदान दिवस 11 सितंबर 2026 को संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है।
यदि किसी निर्वाचन क्षेत्र में पुनर्मतदान की स्थिति उत्पन्न होती है तो जिस मतदान क्षेत्र में पुनर्मतदान होगा, वहां पुनर्मतदान की तिथि को भी सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

नागौर जिले के 9 नगरीय निकायों में 31 अगस्त नामांकन का आखिरी दिन

चमकता राजस्थान/रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। नागौर और बासनी में सियासी हलचल तेज हो गई है। रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष नामांकन दाखिल करने के लिए प्रत्याशियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भाजपा-कांग्रेस के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी पूरी ताकत के साथ मैदान में उतर रहे हैं। वहीं वार्ड नंबर 15 से भाजपा की नीतू तोलावत और पूर्व सभापति मीतू बोथरा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल करवाने पहुंचीं।
वीओः नागौर जिले के 9 नगरीय निकायों में चुनावी रण अब पूरी तरह सज चुका है... आज नामांकन दाखिल करने का आखिरी मौका है। नागौर और बासनी में रिटर्निंग अधिकारियों के कार्यालय के बाहर प्रत्याशियों और समर्थकों की भारी भीड़ देखने को मिल रही है।
भाजपा, कांग्रेस और निर्दलीय प्रत्याशी अपने-अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने पहुंच रहे हैं। नामांकन के आखिरी दिन कई वार्डों में बागी तेवर भी नजर आ रहे हैं।
नागौर के वार्ड नंबर 15 से भाजपा की नीतू तोलावत और पूर्व सभापति मीतू बोथरा निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल करवाने पहुंचीं। ऐसे में पार्टी प्रत्याशियों के सामने बगावत और डैमेज कंट्रोल की चुनौती भी खड़ी हो गई है।
नामांकन केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी अलर्ट है। कोतवाली थाना पुलिस, सदर थाना पुलिस और फ्थ्अउ का अतिरिक्त जाब्ता तैनात किया गया है।
आज दोपहर 3 बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे इसके बाद नामांकन पत्रों की जांच होगी और फिर तस्वीर और साफ होगी कि निकाय चुनाव में किस वार्ड से कौन-कौन मैदान में है।

नगर निकाय आम चुनाव-2026 : डीग जिले में नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन 645 नामांकन पत्र दाखिल

चमकता राजस्थान/डीग, 31 अगस्त। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के अंतर्गत डीग जिले में नामांकन प्रक्रिया के तीसरे दिन प्रत्याशियों में खासा उत्साह देखने को मिला। जिले की विभिन्न नगरीय निकायों में सोमवार को कुल 645 नामांकन पत्र दाखिल किए गए, जिनमें 510 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन प्रस्तुत किया। इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया के प्रथम तीन दिनों में जिले में कुल 1,231 नामांकन पत्र दाखिल हो चुके हैं, जबकि 985 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया गया है। निकायवार आंकड़ों के अनुसार डीग नगर परिषद में तीसरे दिन 158 नामांकन पत्र दाखिल हुए और 122 प्रत्याशियों ने नामांकन किया, जिससे अब तक कुल 279 नामांकन पत्र तथा 222 प्रत्याशियों का आंकड़ा दर्ज हुआ है। पहाड़ी नगर पालिका में तीसरे दिन 60 नामांकन पत्र एवं 59 प्रत्याशियों ने नामांकन किया, जबकि अब तक क्रमशः 133 और 131 का आंकड़ा रहा। कामां नगर पालिका में तीसरे दिन 163 नामांकन पत्र एवं 113 प्रत्याशियों ने नामांकन प्रस्तुत किया तथा अब तक कुल 295 नामांकन पत्र और 200 प्रत्याशियों ने नामांकन किया है। इसी प्रकार बृजनगर नगर पालिका में तीसरे दिन 96 नामांकन पत्र एवं 81 प्रत्याशी, कुम्हेर नगर पालिका में 85 नामांकन पत्र एवं 65 प्रत्याशी तथा सीकरी नगर पालिका में 83 नामांकन पत्र एवं 70 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। रिपोर्ट के अनुसार इन तीनों निकायों में अब तक क्रमशः 204, 149 और 171 नामांकन पत्र तथा 164, 115 और 153 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन दर्ज किया गया है।

डग में निकली तेजेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी, पुष्पवर्षा से हुआ स्वागत

चमकता राजस्थान/डग-31अगस्त(कुन्दन व्यास)। श्री तेजेश्वर महादेव मंदिर उत्सव समिति सामूखाल के तत्वावधान में सावन के अंतिम सोमवार को भगवान श्री तेजेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी निकाली गई।जिसमें विभिन्न हिन्दू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़ भाग लिया,सोमवार सांय 4 बजे शाही सवारी ढोल-बाजे के साथ श्री तेजेश्वर महादेव मंदिर सामूखाल से नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई।नगर भ्रमण के दौरान बाबा भोलेनाथ ने नगरवासियों के हाल जाने, वहीं गली मोहल्ले चौराहे पर श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवर्षा कर पालकी में सवार तेजेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना की।शाही सवारी नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची,जहां महाआरती की गई।इसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया।इस अवसर पर सुबह 10 बजे से सवारी निकलने तक भंडारे का आयोजन किया गया।शाही सवारी में श्री हनुमान व्यायाम शाला (चौकड़ी दरवाजा) एवं श्री प्रहरी हनुमान व्यायाम शाला (गंगधार दरवाजा) के पहलवानों ने अखाड़े में एक से बढ़कर एक आकर्षक करतब दिखाए।कोटा की कोर इवेंट टीम के कलाकारों द्वारा भस्म रमैया की मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई।साथ ही राजस्थानी कच्ची घोड़ी डांस आकर्षण का केन्द्र रहा।शाही सवारी में आकर्षक विद्युत सज्जा ने झांकियों की शोभा बढ़ा दी।बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सवारी का आनंद उठाया।

श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव एवं नंदोत्सव के लिए सीएमद्वय डीके शिवकुमार एवं भजनलाल शर्मा को किया आमंत्रित

ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के अति दिव्य पावन सान्निध्य में होगा जन्माष्टमी पर बेंगलूरु व जयपुर में आयोजन

चमकता राजस्थान

तिरुपति। सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, सिद्धेश्वर सनातन संसार एवं श्री ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के तत्वावधान में आगामी जन्माष्टमी पर्व के मद्देनजर 4 सितंबर को बेंगलूरु में श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव तथा जयपुर में नंदोत्सव का आयोजन होगा। अष्टसिद्धि एवं नवनिधि के धारक, ईश्वरीय सत्ता से विभूषित परम पूज्य ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के अति दिव्य पावन सान्निध्य में होने वाले इस आनंदोत्सव उल्लास की तैयारी जयपुर केंद्र एवं बेंगलूरु केंद्र के गुरुभक्तों की टीम द्वारा व्यापक स्तर पर की जा रही है। इसी क्रम

में बेंगलूरु के आयोजन में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को विधिवत आमंत्रण दिया गया। इस दौरान आयोजन अध्यक्ष हापुराम माली, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील आहूजा, एडिशनल सेक्रेटरी महेंद्र दफ्तरी एवं युवा ग्लोबल चेयरपर्सन नवीन गिरिया ने सीएम का सत्कार करते हुए कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी एवं आमंत्रण दिया। उधर राजस्थान की राजधानी जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा का भी सत्कार करते हुए आयोजन अध्यक्ष पूर्व न्यायाधीश राजेंद्र चौधरी, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा, मीडिया समन्वयक कमलेश आत्रेय, बालोतरा विधायक अरुण चौधरी, जयपुर युवा अध्यक्ष श्रीकांत विभूतिया, राजेंद्र शर्मा व कैलाश मीणा आदि ने विधिवत आमंत्रण पत्र सीएम को दिया। उल्लेखनीय है कि फूलों की नगरी बेंगलूरु में आगामी शुक्रवार की शाम 4:30 बजे से दी पैलेस ग्राउंड के गेट नंबर 6 स्थित रॉयल सीनेट में श्री कृष्ण जन्म महामहोत्सव का आयोजन होगा। वहीं जयपुर में रविवार को सांय 4 बजे से टोंक रोड स्थित बीलवा पैलेस में नंदोत्सव का कार्यक्रम ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के आशीर्वचन के साथ अनेक दुर्लभ बीज मंत्रों के उच्चारण व सामूहिक प्रार्थना तथा सनातन परंपरा में आध्यात्मिक भक्ति की शक्ति का प्रवाह प्रसारित होगा। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण श्रीब्रह्मर्षि आश्रम के अधिकृत यूट्यूब चैनल सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि पर लाइव होगा।

नसीराबाद नगर पालिका चुनाव में 20 वार्डों में 126 उम्मीदवारों ने कराया नामांकन पत्र जमा

चमकता राजस्थान

नसीराबाद (हेमंत मनेठिया) नसीराबाद नगर पालिका निकाय में होने वाले पार्षद पद के चुनाव के लिए शनिवार को निर्वाचन कार्यालय में शनिवार को 9 नामांकन पत्र जमा कराए गए थे वहीं सोमवार को 117 नामांकन पत्र संभावित प्रत्याक्षीयो द्वारा दाखिल कराए गए। जिनका निर्वाचन अधिकारी उपखंड अधिकारी कल्पित शिवरान द्वारा संवीक्षा की जाएगी। नसीराबाद नगरपालिका में 20 वार्ड में पार्षद पद पर चुनाव होने हैं।जिसके लिए दोनों राष्ट्रीय पार्टी से टिकट प्राप्त करने के लिए

कार्यकर्ताओं और संबंधित पार्टी विचारधारा के व्यक्ति जद्दोजहद में लगे हुए थे। दोनों ही पार्टी के पदाधिकारी द्वारा अंतिम क्षण तक अपने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की गई। नामांकन दाखिल करने की समय सीमा समाप्त होने से चंद मिनट पहले ही पार्टी के सिंबल निर्वाचन कार्यालय में जमा करने के बाद भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों की आधिकारिक सूची सार्वजनिक होने के बाद संभावित प्रत्याशियों को समर्थनों द्वारा माला और साफा पहनकर शुभकामनाएं दी वही प्रत्याशी अपने-अपने वार्डों में पहुंचकर जनसंपर्क में जुट गए। कांग्रेस पार्टी से अमरीन कुरैशी,इस्माइल, आशुतोष,रमेश, शैतान,गणपत, बंसी,सोनू,धनराज,योगेश्वर, प्रियंका,लोकेश, हंसराज, सुरेन्द्र, राकेश, ऋतिका,राजेश, प्रशांत, ऋतुका,भंवरी को टिकट दिया वहीं कांग्रेस के सामने भाजपा से सुमन, महेंद्र पथरियां, सुखदेव,रमेश, सांवर सिंह, महेंद्र देवासी, विशाल,समझ कंवर,सुरेश, सत्यनारायण,गीता, मुकेश, अखिलेश, अवधेश, नरेंद्र,सीमा, चारु,निर्मल,सरोज,मोनू को टिकट दिया गया।

सामूहिक प्रयासों से बनेगा नशा मुक्त समाज : जिला कलक्टर कमल राम मीना

जिला स्तरीय नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंटर (NCORD) की समीक्षा बैठक आयोजित

चमकता राजस्थान

ब्यावर। जिला स्तरीय नारकोटिक्स को ऑर्डिनेशन सेंटर (ठउडफ्ळ) की बैठक का आयोजन सोमवार को जिला कलक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ। बैठक नशे के विरुद्ध विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाई एवं जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई। संगोष्ठी में अतिरिक पुलिस अधीक्षक डॉ. अनुकृति उज्जैनिया ने 28 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक की गई कार्रवाई का जुलाई माह की कार्रवाई से तुलनात्मक विवरण प्रस्तुत किया गया।
उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग द्वा-रा अगस्त माह में एनडीपीएस एक्ट के तहत 14 प्रकरण दर्ज कर 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई के दौरान 11 वाहन जब्त किए गए। पुलिस द्वारा 10 प्रकरणों में 478 किलोग्राम डोडा पोस्त, 2 प्रकरणों में 4 ग्राम स्मैक, एक प्रकरण में 85.56 किलोग्राम अफीम तथा एक प्रकरण में 252 ग्राम एमडी जब्त की गई।
इसी क्रम में जैतारण थाना क्षेत्र में 85.38 किलोग्राम अफीम जब्त कर प्रकरण दर्ज किया गया।

- **जागरूकता के साथ नशे की रोकथाम पर फोकस**

शिक्षा विभाग द्वारा एएसडी कॉलेज ब्यावर में दो बार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया गया। कॉलेज द्वारा माह अगस्त में तिरंगा यात्रा के दौरान भी छात्र-छात्राओं को नशे से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। चिकित्सा विभाग द्वारा अगस्त माह में 170 लोगों को नशामुक्ति एवं नशे से संबंधित काउंसलिंग प्रदान की गई।

- **सामूहिक प्रयासों से बनेगा नशामुक्त समाज**

जिला कलक्टर कमल राम मीना ने संगोष्ठी में नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता गतिविधियों को निरंतर संचालित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ प्रवर्तन, जागरूकता, उपचार एवं परामर्श गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

गगवाना- शनिवार 29 अगस्त 2026 को हुआ राजेश नोगिया का स्वागत, सत्कार एवं नागरिक अभिनंदन..!!

जो खुद पर यकीन रखते हैं।
वही अपनी तकदीर बदलते हैं।
आत्मविश्वास से ही सफलता मिलती है..!!

चमकता राजस्थान/रघुनंदन पारीक श्रीनगर अजमेर। गगवाना निवासी राजेश कुमार नोगिया पुत्र भैरूलाल नोगिया (रिटायर्ड अ.र.क राज.पुलिस) द्वारा राजस्व मंडल राजस्थान अजमेर, द्वारा आयोजित चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती परीक्षा पास करके राजस्व विभाग में चयन होने पर गगवाना जनहित संघर्ष समिति (रजि.) के पदाधिकारीओ द्वारा राजेश एंव उनके परिजनों का माला, साफा पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर स्वागत, सत्कार व नागरिक अभिनंदन किया गया। वहां मौजूद सभी ग्रामवासियों ने राजेश व उनके परिवार को उक्त उपलब्धि प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की तथा राजेश के उज्जवल भविष्य की कामना करी, पूर्व सरपंच असलम पठान ने कहा ईमानदारी और सच्ची लगन से की गई मेहनत कभी धोखा नहीं देती है, एक न एक दिन उसका फल जरूर मिलता है राजेश से गांव के अन्य युवाओं को भी प्रेरणा लेकर अपने-अपने कार्यक्षेत्र में कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष अशोक यादव, संयोजक असलम पठान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्यामलाल जांगिड़, भंवरलाल मंडोलिया, सुरेश काबरा, उप सरपंच प्रतिनिधि योगेश मौर्य, सहसंयोजक विजय प्रजापति, सहसचिव कमल जांगिड़, संस्थापक सदस्य फूलचंद गहलोत, सिराज अली शेख, अशफ़ाक़ अली शेख, दीपक यादव, नदीम शेख, मुरसलीन पठान, राम अवतार, आदि कई ग्रामीण मौजूद रहे।

कोगता फाउंडेशन एवं एसटी फाउंडेशन की पहल से 120 बालिकाएँ हुईं सशक्त

चमकता राजस्थान/जयपुर, अगस्त 2026। कोगता फाउंडेशन एवं एसटी फाउंडेशन द्वारा संचालित ''STRONG HER – आत्मजागरूकता एवं आत्मरक्षा पहल'' के दो सफल प्रशिक्षण बैच पूर्ण किए गए। इस पहल के माध्यम से कुल 120 विद्यालयी बालिकाओं को आत्मरक्षा, व्यक्तिगत सुरक्षा, आत्मविश्वास एवं जीवन कौशल से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अगस्त 2026 में आयोजित दोनों बैचों में प्रत्येक में 60 छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का समन्वयन किशन लाल वर्मा ने किया, जबकि अनुपमा बिश्नोई ने आत्मजागरूकता एवं सुरक्षा जागरूकता सत्रों का संचालन किया। प्रशिक्षण के दौरान बालिकाओं को सुरक्षित एवं असुरक्षित परिस्थितियों की पहचान, व्यक्तिगत सीमाओं की समझ तथा 3फ मॉडल – Recognize, Respond and Report की जानकारी दी गई। आत्मरक्षा प्रशिक्षण ताइक्वांडो प्रशिक्षक श्री शुभम सक्सेना एवं उनकी महिला प्रशिक्षक टीम द्वारा प्रदान किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राजेश कुमार जाट ने कहा, ''STRONG HER जैसी पहलें बालिकाओं में आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करती हैं तथा उन्हें जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाती हैं।''कार्यक्रम को छात्राओं, शिक्षकों एवं विद्यालय प्रशासन से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

भाजपा ने वार्ड नंबर 87 से बनाया प्रत्याशी

मुख्यमंत्री के OSD आनंद शर्मा की पत्नी प्रतिभा शर्मा को भाजपा का टिकट

चमकता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के निकाय चुनाव में नामांकन के आखिरी दिन सोमवार, 31 अगस्त को प्रत्याशियों की तस्वीर लगभग साफ हो गई। भाजपा ने जयपुर के सभी 10 नगर निगमों के लिए अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी
इन सबके बीच जयपुर की भाजपा सूची में सबसे ज्यादा चर्चा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के डरऊआनंद शर्मा

की पत्नी प्रतिभा शर्मा के नाम को लेकर रही। भाजपा ने उन्हें वार्ड नंबर 87 से अपना प्रत्याशी बनाया है। प्रतिभा शर्मा को टिकट मिलना इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि आनंद शर्मा मुख्यमंत्री के OSD के तौर पर सरकार और मुख्यमंत्री कार्यालय से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व संभाल रहे हैं। ऐसे में उनकी पत्नी को भाजपा की ओर से चुनावी मैदान में उतारे जाने को राजनीतिक गलियारों में खास नजर से देखा जा रहा है।
उन्होंने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करते हुए शीर्ष नेतृत्व सहित मुख्यमंत्री ,प्रदेश अध्यक्ष ,विधायक काली चरण सर्राफ,ब्लॉक अध्यक्ष वार्ड अध्यक्षों को धन्यवाद देते हुए जिताने की अपील की !
निकाय चुनाव स्थानीय राजनीति का सबसे अहम आधार माने जाते हैं। वार्ड स्तर से शुरू होने वाली राजनीति ही आगे चलकर पार्टी संगठन और बड़े चुनावों में नेताओं की भूमिका तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में प्रतिभा शर्मा की उम्मीदवारी को केवल एक वार्ड का टिकट नहीं, बल्कि जयपुर की स्थानीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत के तौर पर भी देखा जा रहा है,अब असली परीक्षा चुनाव मैदान में होगी। फिलहाल इतना तय है कि जयपुर निकाय चुनाव की भाजपा सूची में प्रतिभा शर्मा का नाम सबसे चर्चित नामों में शामिल हो गया है और वार्ड 87 का मुकाबला अब राजनीतिक रूप से खासा दिलचस्प होने वाला है।

संक्षिप्त समाचार

जीजा की आंखें फोड़ीं, चेहरे पर चाकू से 83 बार किए वार, चार मिनट तक दो साले ढाते रहे कहर, लोग बनाते रहे वीडियो

तरनतारन/एजेंसी। पंजाब के तरनतारन में प्रेम विवाह से नाराज दो युवकों ने अपने जीजा की बेरहमी से हत्या कर दी। बस अड्डे के बाहर दोनों आरोपियों ने जगजीत सिंह उर्फ जग्गा (25) को घेर लिया और सड×क पर गिराकर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में उसके चेहरे पर 83 वार किए गए। दोनों आंखों पर भी चाकू से हमला किया गया।

वारदात के दौरान जगजीत सड़क पर खून से लथपथ तड़पता रहा। बताया जा रहा है कि करीब चार मिनट तक दोनों आरोपी उस पर चाकुओं से हमला करते रहे। इस दौरान मौके से गुजर रहे कुछ लोग मदद करने के बजाय घटना का वीडियो बनाते रहे। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

● परिवार की मर्जी के खिलाफ किया था प्रेम विवाह

जानकारी के अनुसार, गांव कद्दगिल निवासी जगजीत सिंह का गांव नौरंगाबाद की रहने वाली पिंकी के साथ प्रेम संबंध था। दोनों के रिश्ते से युवती का परिवार खुश नहीं था। परिवार की सहमति के बिना दोनों करीब एक महीने पहले घर से चले गए और प्रेम विवाह कर लिया। बताया जा रहा है कि चार दिन पहले ही जगजीत अपनी पत्नी के साथ घर वापस लौटा था। उसकी सास उससे मिलने कद्दगिल आई थी।

● सास को बस अड्डे छोडऩे गया था जगजीत

सुबह करीब 11:40 बजे जगजीत अपनी सास को मोटरसाइकिल से बस अड्डे छोडऩे गया था। सास को बस में बैठाने के बाद वह वापस लौट रहा था। करीब 12:02 बजे बस अड्डे के बाहर उसके साले जसप्रीत सिंह और हरप्रीत सिंह ने उसे रास्ते में घेर लिया। दोनों के हाथों में चाकू थे। जगजीत की बाइक फुटपाथ पर गिरते ही आरोपियों ने उसे दबोच लिया और सड×क पर ही हमला शुरू कर दिया।

● चार मिनट तक बरसाते रहे चाकू

आरोपियों ने जगजीत के चेहरे पर लगातार चाकू से वार किए। बताया जा रहा है कि उसके चेहरे पर 83 वार किए गए और आंखों को भी गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया गया। कुछ ही देर में पूरा चेहरा खून से सन गया। सरेराह हुई इस वारदात के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

● पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

डीएसपी (एच) जसपाल सिंह बहोड़ू, थाना सिटी प्रभारी परमजीत सिंह विरदी और सीआईए स्टाफ प्रभारी इंस्पेक्टर रुपिंदरपाल सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने जसप्रीत सिंह और हरप्रीत सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस वारदात से जुड़े वीडियो और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल में 3 साल की बच्ची से यौन शोषण का आरोप, चॉकलेट का लालच देकर वारदात; बस ड्राइवर गिरफ्तार

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के बवाना इलाके के एक प्रतिष्ठित स्कूल में तीन साल की नर्सरी छात्रा के यौन शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल बस चालक विकास ने बच्ची को चॉकलेट का लालच देकर उसके साथ कई बार यौन शोषण किया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

परिवार को घटना की जानकारी 19 अगस्त की रात हुई, जब बच्ची के शरीर पर चोट के निशान दिखाई दिए। इसके बाद उसकी मां ने बच्ची से पूछताछ की। बच्ची ने स्कूल में मौजूद एक बैड अंकल के बारे में बताया, जो उसे चॉकलेट देता था। हालांकि, बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता पा रही थी।

परिजनों ने मामले की जानकारी स्कूल प्रशासन को दी। इसके बाद 24 अगस्त को बच्ची को कुछ लोगों की तस्वीरें और स्कूल की ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज दिखाई गई। पुलिस के अनुसार, फुटेज देखने के बाद बच्ची ने स्कूल बस चालक विकास की पहचान आरोपी के तौर पर की।

मामले की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद क्कह्रष्टस्ह्र एक्ट के तहत स्नढ्ढक्र दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी विकास को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया। जांच में सामने आया है कि वह करीब आठ महीने से स्कूल बस चला रहा था।

पुलिस के अनुसार, स्कूल परिसर की ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज में आरोपी को जेब में चॉकलेट लेकर घूमते हुए देखा गया है। आरोप है कि वह बच्ची के बाथरूम जाने के दौरान उसके पीछे गया, उसे चॉकलेट दी और सीढियों के नीचे उसके साथ यौन शोषण किया। पुलिस की शुरुआती जांच में बच्ची के साथ कथित तौर पर चार बार यौन शोषण किए जाने की बात सामने आई है।

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन भी जब्त किया है। जांच एजेंसियों के अनुसार, फोन में छोटे बच्चों के साथ बनाए गए कई वीडियो मिले हैं। पुलिस इन वीडियो में दिखाई दे रहे बच्चों की पहचान करने के साथ उनकी काउंसलिंग भी करा रही है।

अर्धकुंभ 2027 देव डोली विरासत्य शोभायात्रा समिति आयोजित हुई बैठक

चमकता राजस्थान

देहरादून।(दीपक शर्मा बामनवास) अर्ध कुंभ 2027 में देवड़ोलियों की दिव्या एवं भव्य स्नान के लेकर बैठक आयोजित श्री देव डोली विरासत्य शोभायात्रा समिति कि आज एक मीटिंग गढ़वाल महासभा हरिद्वार में देवड़ोलियों के आयोजन अर्ध कुंभ 2027 पर गहन चर्चा हुई समिति के पदाधिकारी ने कहा कि देव डोलिया उत्तराखंड के समृद्ध धार्मिक एवं लोक संस्कृति की पहचान है

संस्था के अध्यक्ष द्वारा इसकी संरक्षण और नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है बैठक में समिति की बिस्तर पर भी चर्चा हुई साथ ही इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी कारण सामाजिक कार्यकर्ता मातृशक्ति युवाओं ने सभी ने आगामी 2017 अर्धकुम में शोभायात्रा को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का शासन दिया समिति के अध्यक्ष बंशीधर पोखरियाल कार्यकारिणी अध्यक्ष हर्ष मणि व्यास उपाध्यक्ष गजेंद्र कंडियाल सचिन द्वारिका प्रसाद भट्ट सचिव आचार्य रमेश पेन्युली कोषाध्यक्ष भगवान सिंह रंगड,महेश व्यास,राजेंद्र व्यास(जनसंपर्क अधिकारी), महिपाल बिष्ट कार्यालय प्रभारी डॉक्टर संपूर्णानंद रतूड़ी,डॉ राजेंद्र प्रसाद रतूड़ी बिष्ट,उनियाल गढ़वाल महासभा के पदाधिकारी गण मुकेश जोशी महंत आदेश गिरी मुकेश कोठियाल गिरीश प्रसाद थपलियाल प्रमोद डोभाल मंजू रावत रीता चमोली सुषमा रावत प्रतिमा भोगना पंडित जय श्री राम दोदियाल प्रेम प्रकाश धस्माना शंकर भर जोशी डॉक्टर अनूप भोखंडी महंत आशुतोष गिरी चंद्रकांत कोठारी नागेंद्र पुरोहित बलवंत सिंह तारा नेगी अनुज कोठियाल रमेश राठौड़ी महंत आदेश गिरी सुंदरलाल महेंद्र आशीष पुरी देवेंद्र दत्त शर्मा सुनीता देवी भोखंडी लता पेंट आभा दोदियाल सच्चिदानंद भट्ट मुकेश कोठियाल अंकुर रावत आदि उपस्थित रहे देव भक्तों ने मीटिंग में प्रतिभा किया अपने-अपने विचार रखें ।

निष्पक्ष, स्वतंत्र और निर्भीक मतदान के लिए आदर्श आचार संहिता का कराएं पालन : एडीएम

चमकता राजस्थान

धौलपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव को राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशानुसार संपन्न कराने हेतु नियुक्त जोनल मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण जिला परिषद सभागार में उप जिला निर्वाचन अधिकारी धौलपुर हरिराम मीणा के निर्देशन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में जोनल मजिस्ट्रेट को मतदान पूर्व से उनके उत्तरदायित्व में भयग्रस्त परिवारों और क्षेत्र की पहचान करने एवं सुधारात्मक कार्यवाही करने, भय के स्त्रोत चिन्हित कर थानाधिकारियों, रिटर्निंग अधिकारियों को सूचित कर प्रस्तावित कार्यवाही के बारे में जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में मतदान केंद्र एवं चुनाव प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए एडीएम हरिराम मीणा ने मतदान केंद्र तक मतदाताओं की पहुंच की सुगमता,

पानी, छाया, रैंप, टॉयलेट जैसी सुविधाओं की जानकारी करने के साथ, आदर्श आचार संहिता के पालन हेतु प्रत्याशियों के वाहन, पैम्फलेट एवं अन्य आचरण की निगरानी के बारे में बताया। प्रशिक्षण में चुनाव दिवस से एक दिन पूर्व मतदान केंद्र पर पोलिंग पार्टी की पहुंच सुनिश्चित करने, चुनाव सामग्री की उपलब्धता, ईवीएम संचालन, चुनाव प्रक्रिया का लघु प्रशिक्षण आयोजित करने, मतदान केंद्र से 200 मीटर की परिधि में चुनाव कार्यालय, चुनाव सामग्री प्रदर्शित नहीं होने, आवश्यक सूचनाएं प्रदर्शित करने के बारे में बताया गया। चुनाव दिवस पर मा-ॅक पोल से लेकर चुनाव समाप्ति और संग्रहण केन्द्र पर चुनाव सामग्री जमा कराने की पूरी प्रक्रिया को प्रशिक्षण में प्रशिक्षक अतुल चौहान, देवेंद्र बघेल,राजू द्वारा विस्तार पूर्वक बताया गया। चुनाव शाखा के नरेश परमार द्वारा चुनाव कार्यक्रम में प्रशिक्षण, प्रपत्रों एवं रिटर्निंग अधिकारियों से बैठक कर सूचनाओं के आदान-प्रदान के बारे में बताया गया ।इस अवसर पर 75 जोनल मजिस्ट्रेट द्वारा प्रशिक्षण में भाग लिया गया।

वार्ड 90 से भाजपा प्रत्याशी सरोज कंवर ने भरा नामांकन, समर्थकों के साथ दिखाया शक्ति प्रदर्शन

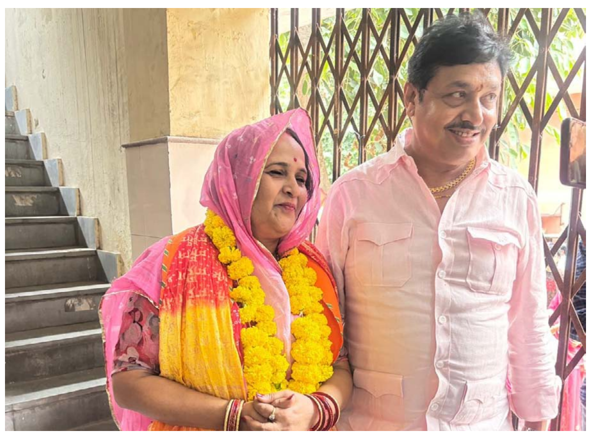

चमकता राजस्थान/जयपुर। जयपुर नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। नामांकन प्रक्रिया के आखिरी दिन वार्ड नंबर 90 से भाजपा प्रत्याशी सरोज कंवर ने अपने समर्थकों के साथ पहुंचकर नामांकन दाखिल किया।

नामांकन के दौरान बड़ी संख्या में समर्थक उनके साथ नजर आए। समर्थकों के उत्साह और मौजूदगी के बीच सरोज कंवर ने चुनावी मैदान में अपनी औपचारिक एंट्री की। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। वार्ड 90 में अब चुनावी मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है। नामांकन के साथ ही प्रत्याशियों ने जनसंपर्क और मतदाताओं से संवाद की तैयारियां तेज कर दी हैं। नामांकन दाखिल करते हुए उन्होंने बताया कि निकाय चुनाव में वार्ड स्तर की राजनीति बेहद महत्वपूर्ण होती है। वे सड़क, सफाई, पानी, नाली, स्ट्रीट लाइट और स्थानीय विकास जैसे मुद्दे पर चुनाव लड़ने जा रही हैं समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल कर सरोज कंवर ने चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी है। अब देखना होगा कि वार्ड 90 की जनता किसे अपना प्रतिनिधि चुनती है।

41वीं बार रक्तदान कर मनोहर लाल सोनी ने पेश की मानवता की मिसाल

श्री बाबा रामदेव सेवा बागोर समिति के रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

चमकता राजस्थान

महेश कुमार बिड़ला /मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा। बागोर। श्री बाबा रामदेव सेवा बागोर समिति की ओर से 30 अगस्त 2026 को आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानव सेवा का संकल्प निभाया। शिविर में बागोर निवासी मनोहर लाल सोनी पुत्र प्रहलाद राय सोनी ने अपना 41वां रक्तदान कर समाजसेवा और मानवता की अनूठी मिसाल पेश की।

मनोहर लाल सोनी लंबे समय से नियमित रूप से रक्तदान करते आ रहे हैं। उनका 41वीं बार रक्तदान करना न केवल उनके सेवा भाव को दर्शाता है, बल्कि युवाओं और

समाज के अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणादायी संदेश है। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए लोगों से जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए नियमित रक्तदान करने का आ''ान किया।

शिविर में समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक किया। समिति की ओर से मनोहर लाल सोनी के 41वीं बार रक्तदान करने पर उनका सम्मान एवं अभिनंदन करते हुए उनके सेवाभाव की सराहना की गई।

रक्तदान किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि पूरी मानवता की सेवा है। मनोहर लाल सोनी जैसे नियमित रक्तदाता समाज के लिए प्रेरणा हैं, जिनके प्रयास से जरूरतमंदों को जीवन बचाने वाली रक्त की बूंदें उपलब्ध हो सकती हैं।

खौफनाक कृत्य, श्मशान घाट में जलती चिता से मांस निकालकर खाने लगी अघोरी महिला

उज्जैन/एजेंसी। धार्मिक नगरी उज्जैन में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में खुद को अघोरी और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बताने वाली काली उर्फ नंद गिरी कथित तौर पर श्मशान घाट में जलती चिता के पास जाती और उसमें से कुछ निकालकर खाती नजर आ रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद संत समाज और स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो महिला के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया था। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

कजरी तीज के उपलक्ष्य में 30 अगस्त को होगा माहेश्वरी समाज का सामूहिक गोठ आयोजन

चमकता राजस्थान

ब्यावर। कजरी तीज पर्व के एक दिन पूर्व 30 अगस्त, रविवार को सिंजारे के उपलक्ष्य में श्री माहेश्वरी पंचायत बोर्ड ब्यावर के तत्वावधान में सामूहिक गोठ का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों के क्रम में शनिवार को कार्यक्रम का शुभारंभ भट्टी पूजन के साथ हुआ। पंचायत बोर्ड के अध्यक्ष दिलीप कुमार जाजू ने विधिवत भट्टी पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की।

पंचायत बोर्ड के मंत्री मनीष दरक ने बताया कि प्रति वर्ष आयोजित होने वाले इस सामूहिक गोठ कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के वरिष्ठ सदस्य, पुरुष, युवा, महिलाएं एवं

बच्चे उत्साहपूर्वक भाग लेते हैं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं द्वारा मंगल गीतों की प्रस्तुति दी जाती है, जिससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का जीवंत वातावरण बनता है। गोठ संयोजक सूर्य प्रकाश झंवर ने बताया कि सामूहिक गोठ में सामाजिक समरसता एवं आपसी सौहार्द को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य समाजों के अध्यक्ष एवं मंत्री, गणमान्य नागरिकों तथा प्रशासनिक अधिकारियों को भी आमंत्रित किया जाता है। कार्यक्रम में समाजबंधु सामूहिक रूप से भोजन एवं मिलन का आनंद लेते हुए सामाजिक एकता का संदेश देते हैं।

भट्टी पूजन कार्यक्रम में समाज के प्रदीप राठी, गुमानमल झंवर, लादू राम सोमानी, नरेंद्र कुमार झंवर, नंदकिशोर जेथलिया, प्रभात राठी, डॉ. एल.एन. बल्दुआ, पुरुषोत्तम भूतड़ा, राजकुमार हेड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

सामूहिक गोठ को लेकर समाजबंधुओं में उत्साह का माहौल है तथा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं।

पांचला सिद्धा नकबजनी का खुलासा, चोरी का 80 प्रतिशत माल बरामद

नागौर पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, 9.81 लाख रुपये के सोना-चांदी के आभूषण बरामद

चमकता राजस्थान

रिपोर्ट मोहम्मद रफीक नागौर। खींवसर। पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के निर्देशन में खींवसर थाना पुलिस ने ग्राम पांचला सिद्धा में हुई नकबजनी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी का करीब 80 प्रतिशत माल बरामद करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 62.31 ग्राम सोने तथा 188.20 ग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 9 लाख 81 हजार 650 रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार 17 जनवरी 2026 की रात ग्राम पांचला सिद्धा में अज्ञात चोरों ने एक मकान में प्रवेश कर लाखों रुपये कीमत के सोना-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। मामले में पुलिस ने अनुसंधान करते हुए वारदात में शामिल गिरोह के 6 आरोपियों को प्रोडक्शन वारंट पर प्राप्त किया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का माल बरामद किया गया।

पुलिस की कार्रवाई से इस प्रकरण में चोरी गए माल का बड़ा हिस्सा बरामद हो गया है। वहीं, बिरलोका एवं पांचला सिद्धा में हुई दोनों नकबजनी की वारदातों में

अब तक करीब 19 लाख 2 हजार 900 रुपये कीमत के सोना-चांदी के आभूषण बरामद किए जा चुके हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ एवं मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हुई नकबजनी की वारदातों के खुलासे में महत्वपूर्ण सफलता मिली है।

दलीप ट्रॉफी : वैभव सूर्यवंशी का बल्ला गरजा, सेंट्रल जोन के खिलाफ खेली आतिशी पारी

बेंगलुरु/एजेंसी। दलीप ट्रॉफी के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में सेंट्रल जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन के साथ हो रही है। सेंट्रल जोन की टीम को 266 रनों पर समेटने के बाद ईस्ट जोन की शुरुआत दमदार रही है। वैभव सूर्यवंशी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 92 रनों की आतिशी पारी खेली। सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे दिन ईस्ट जोन को वैभव ने अभिमन्यु ईश्वरन के साथ मिलकर बढिया शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 153 गेंदों में 162 रनों की अच्छी साझेदारी निभाई। वैभव आक्रामक अंदाज में खेलते हुए दिखाई दिए और उन्होंने 92 रन बनाने के लिए 81 गेंदों का सामना किया। वैभव भले ही अपने शतक से चूक गए, लेकिन उन्होंने अपनी आतिशी बल्लेबाजी से सेंट्रल जोन के गेंदबाजों को खासा परेशान किया। वैभव ने अपनी इस पारी में 7 चौके और सात छक्के लगाए। वैभव की पारी का अंत हर्ष दुबे ने किया। हर्ष की गेंद को बाउंड्री लाइन के पार पहुंचाने के प्रयास में वैभव अरशद खान को कैच दे बैठे। दूसरे दिन के लंच ब्रेक तक ईस्ट जोन ने पहली पारी में 2 विकेट खोकर 183 रन स्कोरबोर्ड पर लगा लिए हैं। हालांकि, कुमार कुशाग्र बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह पहली ही गेंद पर आउट हुए। अभिमन्यु अपना अर्धशतक पूरा करके क्रीज पर डटे हुए हैं। वहीं, उनका साथ सुदीय कुमार दे रहे हैं।

इससे पहले, गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बूते ईस्ट जोन ने सेंट्रल जोन की पूरी टीम को पहली पारी में 266 रनों पर समेटा। सेंट्रल जोन की ओर से रिंकू सिंह ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 88 गेंदों में 60 रन बनाए। हालांकि, रिंकू को दूसरे छोर से बाकी बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला। आर्यन जुयाल ने 46 रनों का योगदान दिया। ईस्ट जोन की ओर से गेंदबाजी में मुक ेश कुमार और अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट चटकाए। वहीं, मोहम्मद शमी और मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 2-2 विकेट अपने नाम किए।

न्यूज़ अपडेट

प्रीमियर लीग :

फर्नांडीस की हैट्रिक, मैनचेस्टर यूनाइटेड ने इप्सविच को 5-2 से हराया

लंदन/एजेंसी। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने ओल्ड ट्रैफर्ड में प्रीमियर लीग मैच में इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। टीम की जीत के नायक ब्रूनो फर्नांडीस रहे, जिन्होंने तीन गोल किए। मैनचेस्टर यूनाइटेड इस मैच में पिछले सप्ताह हल सिटी के खिलाफ मिली अप्रत्याशित हार के बाद उतरी थी। इसलिए टीम पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव था। टीम के लिए हालात तब और मुश्किल हो गए, जब 24वें मिनट में लीफ डेविस ने गोल करके इप्सविच को बढ़त दिला दी। फर्नांडीस ने हाफ टाइम से पांच मिनट पहले स्कोर बराबर किया, और ब्रेक के 10 मिनट बाद हैरी मैगुइरे के हेडर से यूनाइटेड आगे हो गया। यह गोल इप्सविच के डिफेंडर जैकब ग्रीव्स से टकराकर गोल पोस्ट के अंदर गया। इसके तुरंत बाद फर्नांडीस ने पेनल्टी स्पॉट से अपना दूसरा गोल किया और 68वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी की। ब्रायन म्बेउमो ने मैच खत्म होने से आठ मिनट पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए पांचवां गोल किया, जबकि चुबा अकपोम ने स्टॉपेज टाइम में इप्सविच के लिए दूसरा गोल किया।

चेल्सी ने ब्राइटन के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-3 से जीत के साथ सीजन की अपनी दूसरी जीत हासिल की। रोमियो लाविया और पेड्रो नेटो ने शुरुआती 15 मिनट में ही चेल्सी को 2-0 से आगे कर दिया, और जोआओ पेड्रो ने 32वें मिनट में स्कोर 3-0 कर दिया, जिसके बाद मलिक याल्कोये ने मेहमान टीम के लिए एक गोल किया।

63वें मिनट में जोआओ पेड्रो के 'ओन गोल' से स्कोर 3-2 हो गया, लेकिन 74वें मिनट में कोल पामर के गोल ने टीम की जीत पक्की कर दी। पास्कल ग्रॉस ने स्टॉपेज टाइम में ब्राइटन के लिए तीसरा गोल किया, लेकिन मेहमान टीम के लिए बराबरी करने में बहुत देर हो चुकी थी। डोमिनिक कैल्वर्ट-लेविन ने ब्रेंटफोर्ड के खिलाफ लीड्स यूनाइटेड के लिए एक अंक बचाया; उन्होंने केविन शेड के पहले हाफ में किए गए गोल की बराबरी की, जिससे इस सीजन में दो मैचों के बाद दोनों टीमें अजेय रहीं। सुंदरलैंड ने इस सीजन की अपनी पहली जीत दर्ज की। टीम को यह जीत विल्सन इसिडोर के 75वें मिनट में किए गए गोल की बदौलत मिली, जिससे फुलहम को हार का सामना करना पड़ा। वहीं, फुलहम के लिए सीजन की शुरुआत निराशाजनक रही है। नए कोच अल्वारो अर्बेलोआ के नेतृत्व में टीम लगातार दो मैच हार चुकी है और अभी तक जीत का खाता नहीं खोल पाई है।

ला लीगा : रियल मैड्रिड ने मालागा को 4-0 से रौंदा, जूड बेलिंगहम बने जीत के नायक

मैड्रिड/एजेंसी।

रियल मैड्रिड ने 2026/27 सीजन के शुरुआती दौर में अपना शानदार रिकॉर्ड बनाए रखते हुए हाल ही में प्रमोट हुई टीम मालागा को 4-0 से हराया। रियल मैड्रिड की ओर से जूड बेलिंगहम जीत के नायक रहे, जिन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट भी किया। बेलिंगहम ने मैच के 19वें मिनट में गोल करके रियल मैड्रिड की टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। इंग्लैंड के इस खिलाड़ी ने सात मिनट बाद दूसरे गोल में भी अहम भूमिका निभाई, जब मालागा के गोलकीपर अल्फोंसो हेरेरो से टकराकर गेंद नेट में चली गई। इसके बाद, आधे घंटे के खेल के दौरान ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड के बेहतरीन क्रॉस पर किलियन एम्बाप्पे ने सही जगह पर रहकर गोल किया और रियल मैड्रिड को 3-0 से आगे कर दिया। लगातार आठ दिनों में तीन मैच खेलने के बाद रियल मैड्रिड ने दूसरे हाफ में खेल की रफ्तार थोड़ी कम कर दी। फिर भी टीम ने मैच पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। इंजरी टाइम (स्टॉपेज टाइम) में अर्दा गुलेर ने टीम के लिए मैच का चौथा गोल दागा। एथलेटिक क्लब ने सेल्टा विगो के खिलाफ उनके मैदान पर 2-0 से जीत हासिल कर एडिन टेरजिक के नेतृत्व में शानदार खेल दिखाते हुए अपनी पहली जीत दर्ज की। एलेक्स बेरेंग्वेर और रॉबर्ट नवारो ने पहले हाफ में गोल किए।

वेलेंसिया के लिए सीजन की मुश्किल शुरुआत जारी रही। टीम को डेपोर्टिवो ला कोरुना के मैदान पर 3-1 से हार का सामना करना पड़ा। मेहमान टीम ने सीजर टैरेगा और मौक्टर डायखाबी के जरिए दो 'ओन गोल' करके अपनी मुश्किलें खुद बढ़ाईं। घरेलू टीम के लिए पियरे-एमरिक ऑबामेयांग ने शानदार व्यक्तिगत गोल किया।

वेलेंसिया का गोल 26वें मिनट में घरेलू टीम की रक्षात्मक गलती के बाद उमर सादिक ने किया, लेकिन बाकी समय में वे प्रतिद्वंद्वी टीम से काफी पीछे रहे। डेपोर्टिवो के लिए एकमात्र नकारात्मक बात स्टॉपेज टाइम में एड्रिल अल्टामिरा को दिखाया गया रेड कार्ड था। एटलेटिको मैड्रिड ने जूलियन अल्वारेज के बिना सेविला को उनके मैदान पर 3-1 से हराया, जबकि लेवांटे ने रियल बेटिस को घरेलू मैदान पर 5-2 से हराकर चौंकाया। वहीं, रियल सोसिदाद ने एस्पेनयोल पर घरेलू मैदान पर 2-1 से जीत हासिल की।

व्यापार- वाणिज्य

वित्त मंत्री सीतारमण ने भारत को वैश्विक विनिर्माण और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित करने पर दिया जोर

नई दिल्ली /एजेंसी।

केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 3एम से भारत में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी), उन्नत विनिर्माण और स्थानीय आपूर्ति शृंखला विकास में निवेश बढ़ाने का आ''ान किया। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से प्रौद्योगिकी, नवाचार और वैश्विक विनिर्माण के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है और वैश्विक कंपनियों के लिए यहां व्यापक अवसर उपलब्ध हैं।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने यह बात अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के एशविल में आयोजित जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक के दौरान 3एम के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विलियम ब्राउन के साथ हुई बैठक में कही। यह मुलाकात बैठक के इतर आयोजित विभिन्न द्विपक्षीय कार्यक्रमों का हिस्सा थी।

दोनों पक्षों के बीच हुई चर्चा का मुख्य विषय भारत में 3एम की भागीदारी को और मजबूत बनाना था। बैठक में इस बात पर विचार किया गया कि भारत अब केवल एक बड़े उपभोक्ता बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्नत विनिर्माण, प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार-आधारित उत्पादन का वैश्विक मंच बनता जा रहा है।

मंत्रालय ने बताया कि बैठक के दौरान डेटा सुरक्षा, तकनीकी विकास तथा भारतीय प्रतिभा को घरेलू औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में अधिक प्रभावी ढंग से शामिल करने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत के पास कुशल मानव संसाधन, मजबूत विनिर्माण क्षमता और तेजी से विकसित हो रहा औद्योगिक ढांचा है, जिसका लाभ उठाकर 3एम अपने अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास कार्यक्रमों का विस्तार कर सकती है।

निर्मला सीतारमण ने 3एम से स्थानीयकरण बढ़ाने, अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों का विस्तार करने और नई प्रौद्योगिकियों के विकास में अधिक निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत में विकसित नवाचार केवल घरेलू बाजार की जरूरतों को पूरा करने तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि एशिया-प्रशांत क्षेत्र और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को भी मजबूत कर सकते हैं।

उन्होंने कंपनी से उन्नत विनिर्माण क्षमताओं, स्थानीय आपूर्ति शृंखला नेटवर्क और आरएंडडी केंद्रों में निवेश बढ़ाने की अपील की। वित्त मंत्री का कहना था कि भारत की बढ़ती औद्योगिक क्षमता और विशाल प्रतिभा आधार वैश्विक कंपनियों को दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्रदान कर सकता है।

वहीं 3एम के चेयरमैन एवं सीईओ विलियम ब्राउन ने भारत में उपलब्ध विशाल प्रतिभा संसाधन की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत में प्रौद्योगिकी विकास और स्थानीय बाजार दोनों के क्षेत्र में पर्याप्त अवसर मौजूद हैं। ब्राउन ने भारत सरकार द्वारा आर्थिक और संरचनात्मक सुधारों के माध्यम से उद्योगों को दिए जा रहे समर्थन की भी प्रशंसा की।

वित्त मंत्री ने 3एम द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था में जताए गए विश्वास का स्वागत किया और कंपनी की भारत में मौजूदगी को और विस्तार देने के संभावित क्षेत्रों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत सरकार वैश्विक कंपनियों के लिए एक अनुकूल और प्रतिस्पर्धी कारोबारी वातावरण तैयार करने के लिए लगातार सुधारों पर काम कर रही है। गौरतलब है कि निर्मला सीतारमण अगले दो दिनों तक एशविल में जी-20 वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठक तथा उससे जुड़े कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगी। इससे पहले वह दक्षिण कैरोलिना के ग्रीनविल-स्पार्टनबर्ग अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचीं, जहां अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने उनका स्वागत किया।

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत की रियल जीडीपी वृद्धि दर वित्त वर्ष 27 में 7-7.2 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। इसे मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत खर्च से समर्थन मिलेगा। यह जानकारी ईवाई की रिपोर्ट में दी गई।

इस दौरान भारत की नॉमिनल जीडीपी वृद्धि दर 12.5-13 प्रतिशत के बीच रह सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और कमजोर ग्लोबल ट्रेड माहौल के बावजूद भारत के विकास का आउटलुक काफी मजबूत बना हुआ है। उम्मीद है कि मजबूत घरेलू आर्थिक गतिविधियों और लगातार सरकारी खर्च से साल भर ग्रोथ को सपोर्ट मिलेगा। ईवाई के अनुसार, भारत में औद्योगिक गतिविधियों में भी मजबूती के संकेत दिखे हैं। जून 2026 में इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन (आईआईपी) में ग्रोथ बढ×कर 7.3 प्रतिशत हो गई, जो 23 महीनों में सबसे ज्यादा है। नतीजतन, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में औसत औद्योगिक वृद्धि बढ×कर 5.7 प्रतिशत हो गई, जो पिछले आठ तिमाही में सबसे ज्यादा है।

इस सुधार में मैन्युफैक्चरिंग का अहम योगदान रहा, जून में इसका आउटपुट 7.8 प्रतिशत बढ़ा। इसमें इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट, मोटर वाहन, टेक्सटाइल और खाद्य उत्पाद भी बेहतर प्रदर्शन करने वाले सेक्टर में शामिल थे।

हालांकि, कुछ हाई-फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर बताते हैं कि विस्तार की रफ्तार धीमी हो सकती है। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जून के 54.2 से घटकर जुलाई में 53.5 हो गया, जबकि सर्विसेज पीएमआई 57.4 से तेजी से गिरकर 53.3 पर आ गया। इस सुस्ती के बावजूद, दोनों इंडेक्स 50 के निशान से ऊपर बने रहे, जिससे पता चलता है कि आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

क्रेडिट की स्थिति भी मददगार बनी रही। ईवाई ने बताया कि जून में ग्रा-ॅस बैंक क्रेडिट ग्रोथ बढ×कर 18.6 प्रतिशत हो गई, जो 25 महीनों में सबसे अधिक है। इससे पता चलता है कि बिजनेस और अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टर के लिए फाइनेंसिंग की सुविधा बनी हुई है।

सरकार का पूंजीगत खर्च बढ़ाने पर जोर भी ग्रोथ के नजरिए को सपोर्ट करने वाला एक अहम फैक्टर है। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में 23.3 प्रतिशत की गिरावट के बाद, वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में सरकारी पूंजीगत खर्च में तेजी से सुधार हुआ और यह 23.7 प्रतिशत हो गया। साथ ही, राजकोषीय घाटा सालाना बजट लक्ष्य के 18.2 प्रतिशत पर ही बना रहा। ईवाई का कहना है कि कैपिटल एक्सपेंडिचर में आई नई तेजी से घरेलू मांग को बनाए रखने और रियल जीडीपी ग्रोथ की संभावनाओं को मजबूत करने में मदद मिलनी चाहिए।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते घरेलू बाजार में बिकवाली का दबाव

- **सेंसेक्स और निफ्टी में 0.56 प्रतिशत तक की गिरावट**

मुंबई/एजेंसी। तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंकाओं के कारण जोखिम भावना कमजोर होने से हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। इस बीच सेंसेक्स और निफ्टी50 में 0.40 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,264.51 से 133.78 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 77,130.73 पर खुला। वहीं शुरुआती कारोबार में यह 367.58 अंक यानी 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,896.93 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.65 से मामूली 58.10 अंक यानी 0.24 प्रतिशत फिसलकर 24,117.55 पर खुला, हालांकि शुरुआती कारोबार में यह एक समय 137.25 अंक यानी 0.56 प्रतिशत गिरकर 24,038.40 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

हालांकि खबर लिखे जाने तक सुबह 9.30 बजे के आसपास सेंसेक्स करीब 311 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 76,942 के स्तर पर ट्रेड करते हुए नजर आया। वहीं निफ्टी 50 113.65 (0.47 प्रतिशत) फिसलकर 24,062 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया।

व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमशः 0.53 प्रतिशत और 0.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी मेटल, निफ्टी आईटी, निफ्टी सीमेंट और निफ्टी मीडिया का प्रदर्शन कमजोर रहा, जबकि निफ्टी बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक का प्रदर्शन बेहतर रहा।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि पिछले कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को निफ्टी 50 में दो सत्रों की गिरावट के बाद 0.35 प्रतिशत की रिकवरी जरूर देखने को मिली थी, लेकिन यह तेजी सीमित दायरे में रही। सूचकांक अभी भी 23,606 से 24,774 तक की तेजी के 50 प्रतिशत फिबोनाची रिट्रेसमेंट स्तर और अपने प्रमुख मूविंग एवरेज से नीचे बना हुआ है। ऐसे में बाजार की व्यापक तकनीकी तस्वीर अभी भी सतर्कता का संकेत दे रही है। निफ्टी के लिए 24,000 का स्तर सबसे महत्वपूर्ण और निकटतम सपोर्ट माना जा रहा है, जबकि इसके नीचे 23,800 का स्तर अगला प्रमुख सपोर्ट है। दूसरी ओर, 24,300 से 24,400 के बीच का क्षेत्र तत्काल प्रतिरोध (रेजिस्टेंस) क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। यदि निफ्टी 24,400 के ऊपर टिकाऊ बढ़त दर्ज करता है, तभी तकनीकी स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा और सूचकांक 24,800 की ओर बढ़ सकता है। इस बीच, इंडिया वीआईएक्स में 3.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई और यह 10.68 पर आ गया। पिछले लगभग एक महीने से यह अपने अल्पकालिक मूविंग एवरेज के नीचे बना हुआ है।

हमारे अच्छे कर्मों से
खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है– योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

मनुष्य पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्वों से बना है। इन तत्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता
गणपति का आशीर्वाद...

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समम्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विघ्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विघ्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विघ्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विघ्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः
ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं–

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्‍रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

संक्षिप्त समाचार

नगरपालिका चुनावः धरियावद में 204 नामांकन फार्म जमा, 120 से अधिक हुए स्वीकृत

चमकता राजस्थान/धरियावद। नगरपालिका चुनाव को लेकर धरियावद उपखण्ड कार्यालय में उपखण्ड अधिकारी संदीप कुमार बेरड. धरियावद तहसीलदार दीपिका कटारा के नेतृत्व मे नामांकन प्रक्रिया के दौरान पार्षद पद के उम्मीदवारों में खासा उत्साह देखने को मिला। जहाँ कांग्रेस पार्टी भाजपा व बाप सहित अपने अपने पार्टी के जनप्रतिनिधि निधि सहित कार्यालय पहुचे जिसमे कांग्रेस से हरिराम चौधरी भाजपा से हरिसिंह कोठारी सहित उत्साह के साथ सुबह से लेकर समय अवधि तक उप खण्ड कार्यालय परिसर मे रहे वही जानकारी अनुसार अंतिम तिथि तक विभिन्न वार्डों से कुल 204 नामांकन फार्म गए, जिनमें जांच के बाद करीब 120 से अधिक नामांकन फार्म स्वीकृत हुए हैं। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के साथ ही अब नगर के विभिन्न वार्डों में चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। संभावित पार्षद प्रत्याशी मतदाताओं से संपर्क कर समर्थन जुटाने में लगे हुए हैं। वहीं, राजनीतिक दलों के साथ-साथ निर्दलीय उम्मीदवार भी अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गए हैं। नामांकन वापसी की प्रक्रिया के बाद प्रत्येक वार्ड में चुनावी तस्वीर और अधिक स्पष्ट होगी। इसके बाद प्रत्याशियों द्वारा जनसंपर्क अभियान तेज किए जाने की संभावना है। नगरपालिका चुनाव को लेकर नगरवासियों में भी खासा उत्साह नजर आ रहा है।

रानी नगरपालिका चुनाव : अंतिम दिन 103 फार्म प्राप्त, कुल 138 नामांकन

चमकता राजस्थान/\भरत कुमार गांधी/रानी। रानी नगरपालिका चुनाव को लेकर नामांकन के अंतिम दिन रविवार को भारी भीड़ उमड़ी। आज अंतिम दिन 103 फार्म प्राप्त हुए। इससे पहले 27 अगस्त को 01 और 29 अगस्त को 34 फार्म प्राप्त हुए थे। तीन दिन में कुल 138 फार्म प्राप्त हुए हैं। आज अंतिम दिन होने से प्रातः 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक चुनाव लड़ने वाले भावी अभ्यर्थियों की रिटर्निंग कार्यालय में भीड़ लगी रही। रिटर्निंग अधिकारी एवं उपखंड अधिकारी शिवा जोशी ने बताया कि शांतिपूर्ण तरीके से नामांकन कार्यक्रम संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि कल एक सितंबर को सभी अभ्यर्थियों से प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा उनकी उपस्थिति में की जाएगी। तीन सितंबर को नाम वापस लिए जा सकेंगे। चार सितंबर को चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। नामांकन प्रक्रिया रिटर्निंग अधिकारी शिवा जोशी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी आंबालाल बोसिया के निर्देशन में संपन्न हुई। थानाधिकारी आनंदकुमार सांखला के नेतृत्व में पुलिस व्यवस्था सुचारू रही।

बागोर ने लिखी सेवा और समर्पण की नई मिसाल

चमकता राजस्थान/महेश कुमार बिड़ला/मीडिया प्रभारी मांडल भीलवाड़ा आज रामदेव सेवा समिति, बागोर के रक्तदान शिविर में शाम 5 बजे तक 231 यूनिट रक्त संग्रह हुआ।

यह सिर्फ 231 यूनिट रक्त नहीं, बल्कि 231 जिंदगियों को बचाने का संकल्प है। दुर्गेश सोनी ने बताया कि रक्तदान शिविर में ऐसा उत्साह देखने को मिला कि पूरा आयोजन सेवा के उत्सव में बदल गया।

पिता-पुत्र ने साथ रक्तदान किया – शिव कुमार सोनी एवं धीरज सोनी

पति-पत्नी ने साथ रक्तदान किया – पूरण माली एवं पूनम माली

और ऐसे अनेक रक्तवीरों ने परिवार सहित आगे आकर मानवता की सेवा की भीलवाड़ा ब्लड बैंक एवं महात्मा गांधी भीलवाड़ा ब्लड बैंक की टीमों ने रक्त संग्रह में अपनी महत्वपूर्ण सेवाएँ दीं। मांडल विधायक आदरणीय श्री उदयलाल जी भडाणा की ओर से सभी रक्तवीरों के सम्मान के लिए भगवा दुपट्टे भेजे गए। मंडल अध्यक्ष श्री हेमेन्द्र सिंह राणावत के सानिध्य में रक्तवीरों का सम्मान एवं स्वागत किया गया

नगरीय आम चुनाव 2026 में शत-प्रतिशत मतदान के लिए 1 से 7 सितंबर तक चलेगा सतरंगी सप्ताह

चमकता राजस्थान

धौलपुर संवाददाता रामदास तरुण। जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी. टी. ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर के निर्देशों की अनुपालना में नगरीय आम चुनाव-2026 को सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से संपादित कराने के लिए स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत ''सतरंगी सप्ताह स्वीप कैलेंडर-2026'' जारी किया गया है। मतदाताओं को जागरूक करने तथा चुनाव प्रक्रिया में उनकी अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 1 सितंबर से 7 सितंबर 2026 तक जिलेभर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि निर्धारित तिथियों पर सभी गतिविधियों का समन्वित, नवाचारयुक्त एवं प्रभावी आयोजन करते हुए, व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। सतरंगी सप्ताह के तहत 1 सितंबर को मानव श्रृंखला एवं मतदाता रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न विभागों के कार्मिकों के साथ विद्यार्थी, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड एवं आमजन की भागीदारी रहेगी। 2 सितंबर को नवीन मतदाताओं के लिए निबंध, पोस्टर, वाद-विवाद, गीत एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। 3 सितंबर को सहायक निदेशक सामाजिक अधिकारिता विभाग द्वारा दिव्यांग मतदाता रैली आयोजित की जाएगी। वहीं 4 सितंबर को महिला मतदाताओं की सहभागिता से मतदान रंगोली गतिविधियां आयोजित होंगी।

5 सितंबर को ''वोट संवाद'' कार्यक्रम के माध्यम से घुमंतू जातियों, ट्रांसजेंडर समुदाय एवं श्रमिक वर्ग को मतदान के प्रति जागरूक किया जाएगा। 6 सितंबर को ''वोट मनोहर'' कार्यक्रम के तहत राजकीय एवं निजी विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के विद्यार्थी अपने परिवारजनों को पाती के माध्यम से मतदान करने के लिए प्रेरित करेंगे। सतरंगी सप्ताह के अंतिम दिन 7 सितंबर को ''वोट बुलावा अभियान'' चलाया जाएगा। इसके तहत नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं के कार्मिकों, विद्यार्थियों, एनसीसी, एनएसएस एवं स्काउट-गाइड कैडेटों द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल बांटकर मतदाताओं को मतदान के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही वार्डों, मोहल्लों एवं गलियों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता फैलाई जाएगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित तिथियों पर कार्यक्रमों का प्रभावी आयोजन सुनिश्चित कर नगरीय आम चुनाव-2026 में अधिकतम मतदाता सहभागिता एवं शत-प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को सफल बनाया जाए।

सशक्त महिला, सुरक्षित समाज अभियान के तहत दौसा पुलिस की व्यापक जागरूकता की लगातार पहल चालू

रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, महिला कॉलेज सहित विभिन्न स्थानों पर आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम, करीब 300 छात्राओं व महिलाओं को दी गई सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव की जानकारी

चमकता राजस्थान

रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिला पुलिस अधीक्षक दौसा पीयूष दीक्षित, आईपीएस के निर्देशन में संचालित 'सशक्त महिला, सुरक्षित समाज' अभियान के तहत सोमवार, 31 अगस्त 2026 को जिलेभर में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, महिला अपराधों की रोकथाम, साइबर अपराधों से बचाव तथा कानूनों के प्रति जागरूकता को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान करीब 300 छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक किया गया।

● साइबर ठगी से बचाव के बताए उपाय

पुलिस ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी से बचने के लिए संदिग्ध लिंक पर क्लिक नहीं करने, ओटीपी, बैंक खाते एवं अन्य गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा नहीं करने की सलाह दी। साथ ही साइबर ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के लिए जागरूक किया गया।

● विभिन्न स्थानों पर पहुंची कालिका पेट्रोलिंग यूनिट

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट जिला दौसा द्वारा रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, महिला कॉलेज, नेहरू पार्क एवं आनंद शर्मा स्कूल दौसा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस टीम ने महिलाओं, छात्राओं एवं विद्यार्थियों को उनकी सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। कार्यक्रमों में महिला अपराधों की रोकथाम, महिला सशक्तिकरण, नए कानूनों, साइबर अपराध एवं साइबर ठगी से बचाव, गुड टच-बैड टच, यातायात नियमों तथा मादक पदार्थों के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से समझाया गया।

चीनी के दामों में लगी 'आग', 74 किलो तक पहुंची कीमत

सरकार के कदमों के बावजूद महंगाई से राहत नहीं; एक महीने में खुदरा भाव 30% तक बढ़े

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/ठाणे : देशभर की रसोई पर महंगाई की 'मीठी मार' जारी है। सरकार की ओर से चीनी के आयात को शुल्क-मुक्त करने और भंडारण की सीमा से जुड़े नियम सख्त करने जैसे कदम उठाए जाने के बावजूद चीनी की खुदरा कीमतों में राहत नहीं मिल रही है। देश के कई हिस्सों में चीनी का भाव 74 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 30 अगस्त को चीनी की अखिल भारतीय औसत खुदरा कीमत 64.24 रुपये प्रति किलो रही। एक सप्ताह पहले यह कीमत 63.12 रुपये थी। वहीं, एक महीने पहले की तुलना में खुदरा कीमतों में करीब 30 प्रतिशत और पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 38.63 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। देशभर में चीनी की अधिकतम खुदरा कीमत 74 रुपये और न्यूनतम 40 रुपये प्रति किलो रही। प्रमुख शहरों की बात करें तो मुंबई में 66 रुपये, दिल्ली में 62 रुपये, चेन्नई में 63 रुपये और रांची में 68 रुपये प्रति किलो तक चीनी के भाव दर्ज किए गए।

थोक बाजार में भी कीमतें ऊंची

थोक बाजार में भी चीनी की कीमतों में तेजी बनी हुई है। 30 अगस्त को थोक कीमत 59.73 रुपये प्रति किलो रही, जबकि एक सप्ताह पहले यह 58.66 रुपये थी। थोक कीमतों में एक महीने के दौरान करीब 31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, सरकार द्वारा 10 लाख टन कच्ची चीनी के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति दिए जाने के बाद मिल स्तर पर चीनी की कीमतों में करीब 20 प्रतिशत की गिरावट बताई जा रही है। इसके बावजूद इसका असर खुदरा बाजार में दिखाई नहीं दे रहा है।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026

अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय के संबंध में व्यय सीमा निर्धारित

● नगर परिषद सदस्य पद के अभ्यर्थी अधिकतम 2.50 लाख एवं नगरपालिकाओं के सदस्य पद के अभ्यर्थी अधिकतम 1.50 लाख रुपए तक निर्वाचन व्यय कर सकेंगे

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 में अभ्यर्थियों के निर्वाचन व्यय की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई है। इसके तहत नगर परिषद दौसा एवं लालसोट के सदस्य पद के अभ्यर्थी अधिकतम 2.50 लाख रुपये, जबकि जिले की शेष नगरपालिकाओं के सदस्य पद के अभ्यर्थी अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक निर्वाचन व्यय कर सकेंगे।

नोडल अधिकारी निर्वाचन व्यय लेखा एवं कोषाधिकारी दौसा किशन सहाय मीना ने बताया कि 27 अगस्त से चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक उम्मीदवारों या उनके एजेंट द्वारा बिना अनुमति वाहन, लाउडस्पीकर, कटआउट, होर्डिंग, पोस्टर और बैनर आदि का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। बस, ट्रक, मिनी बस, मेटाडोर तथा पशुचालित वाहनों ऊंटगाड़ी, बैलगाड़ी, तांगा आदि वाहनों से चुनाव प्रचार की अनुमति नहीं होगी। जीप, कार, ऑटो रिक्शा एवं मोटरसाइकिल आदि में से नगर परिषद सदस्य के अभ्यर्थी को 2 वाहन तथा नगरपालिका सदस्य के अभ्यर्थी को 1 वाहन की अनुमति संबंधित रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दी जा सकेगी। अनुमति पत्र वाहन पर लगाना अनिवार्य होगा।

उन्होंने बताया कि चुनाव प्रचार के लिए वाहनों की अनुमति प्रपत्र 'ख' में तथा लाउडस्पीकर, माइक आदि की अनुमति प्रपत्र 'ग' में संबंधित रिटर्निंग अधिकारी से लेनी होगी। पोस्टर, कटआउट, होर्डिंग, बैनर आदि के संबंध में निर्धारित प्रारूप 'क' एवं 'ख' में प्रकाशक और मुद्रक से जानकारी प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

उटाम्बर में गूंजे तीज के पारंपरिक गीत, चंद्र पूजन कर सुहागिनों ने खोला व्रत

● पति की दीर्घायु और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना, महिलाओं ने श्रद्धा-उल्लास से मनाया कजली तीज पर्व

चमकता राजस्थान/राजू भाई सागासनी/ब्यूरो चीफ जोधपुर। उटाम्बर। गांव उटाम्बर में सोमवार को कजली तीज पर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने दिनभर व्रत रखकर पति की दीर्घायु तथा परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

शाम को महिलाओं ने पारंपरिक रूप से सज-संवरकर तीज माता की पूजा-अर्चना की। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन होने पर महिलाओं ने विधि-विधान से चंद्र पूजन किया और चंद्रमा को अर्घ्य देकर पति की लंबी उम्र एवं परिवार में सुख-शांति की प्रार्थना की। इसके बाद महिलाओं ने व्रत का पारण किया। कजली तीज के अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक गीत गाकर पर्व की खुशियां मनाईं। घरों में विशेष पकवान बनाए गए तथा महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सीता, राधा, मीनाक्षी, पूजा, खुशबू भट्टड़, लक्ष्मी कंवर, कविता, सुवा, जसौदा, वर्षा एवं संतोष कंवर सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक पर्व मनाया।

पूरे गांव में दिनभर धार्मिक आस्था एवं उल्लासपूर्ण माहौल बना रहा।

एक साल से फरार स्थाई वारंटी भगवान सहाय गुर्जर को किया गिरफ्तार

● नगरपालिका चुनाव को लेकर सिकंदरा पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी के खिलाफ कई मामले दर्ज

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा/सिकंदरा। नगरपालिका चुनाव को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत सिकंदरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक वर्ष से फरार चल रहे स्थाई वारंटी भगवान सहाय गुर्जर (42) को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज जयपुर राहुल प्रकाश आईपीएस, जिला पुलिस अधीक्षक दौसा पीयूष दीक्षित आईपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय दौसा शंकर लाल मीना आरपीएस तथा वृत्ताधिकारी मानपुर अशोक कुमार आरपीएस के सुपरविजन में थानाधिकारी सिकंदरा सुरेन्द्र सिंह पु.नि. के नेतृत्व में की गई।

● टोरडा गांव से किया गिरफ्तार

पुलिस के अनुसार 30 अगस्त 2026 को नगरपालिका चुनाव के मद्देनजर स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसी दौरान पुलिस टीम ने भगवान सहाय गुर्जर पुत्र रामखिलाड़ी, उम्र 42 वर्ष, निवासी टोरडा, थाना सिकंदरा, जिला दौसा को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक तकनीक पर आधारित कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराएगा इनाली फाउंडेशन पुणे, कुणाल कोचर ने दी जानकारी

चमकता राजस्थान

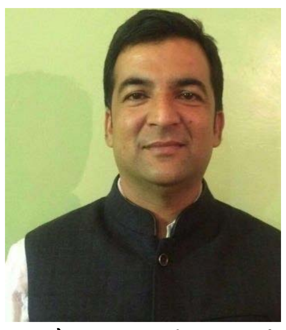

बीकानेर। मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हुए रोटरी क्लब, बीकानेर द्वारा इनाली फाउंडेशन, पुणे, रोटरी क्लब ऑफ पुणे तथा आचार्यश्री नानेश रोटरी नेत्र चिकित्सालय, गंगाशहर, बीकानेर के सहयोग से स्वर्गीय सुन्दर देवी डागा धर्मपत्नी स्वर्गीय चम्पालाल डागा की पुण्य स्मृति में 1 एवं 2 सितम्बर 2026 को एक विशेष निःशुल्क इलेक्ट्रॉनिक (बैटरी संचालित) कृत्रिम हाथ शिविर का आयोजन किया जाएगा। रोटरी क्लब बीकानेर के सचिव कुणाल कोचर ने बताया कि शिविर का उद्देश्य ऐसे जरूरतमंद व्यक्तियों को आधुनिक तकनीक से निर्मित कृत्रिम हाथ उपलब्ध करवाना है, जिन्होंने किसी दुर्घटना अथवा अन्य कारणों से अपना हाथ गंवा दिया है। इस पहल से लाभार्थियों को दैनिक जीवन के कार्य अधिक सहजता, आत्मविश्वास एवं सम्मान के साथ करने में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन 1 एवं 2 सितम्बर 2026 को रोटरी क्लब भवन, पॉलिटेक्निक रोड, शादुलगंज, बीकानेर में किया जाएगा। इस दौरान पात्र लाभार्थियों को पूरी तरह इलेक्ट्रॉनिक एवं बैटरी संचालित कृत्रिम हाथ निःशुल्क उपलब्ध करवाए जाएंगे। कुणाल कोचर ने कहा कि इनाली फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध करवाए जाने वाले ये कृत्रिम हाथ आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक तकनीक पर आधारित हैं। इनका उद्देश्य केवल शारीरिक कमी की पूर्ति करना नहीं, बल्कि लाभार्थियों को दैनिक गतिविधियों में अधिक स्वतंत्रता एवं आत्मनिर्भरता प्रदान करना भी है। इस प्रकार का कृत्रिम हाथ प्राप्त करने वाले व्यक्ति अपने जीवन में नई ऊर्जा, आत्मविश्वास और स्वावलंबन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ा सकेंगे। रोटरी क्लब, बीकानेर ने ऐसे सभी जरूरतमंद व्यक्तियों एवं उनके परिजनों से इस अवसर का लाभ उठाने की अपील की है, ताकि अधिक से अधिक दिव्यांगजन आधुनिक तकनीक की सहायता से अपने जीवन को बेहतर बना सकें।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929